www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 I अंक – 320 I नर्मदापुरम, मंगलवार 25 फरवरी 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

नहर के पुल पर लटका डंपर, रास्ता जाम पृष्ठ 2

उर्दू से सच्ची नफरत और हिंदी से प्रेम का स्वांग

क्या यूएसएआईडी ने अन्ना हजारे आंदोलन को धन दिया जिसके कारण यूपीए सरकार गिरी? पृष्ठ 4

योजनाओं ने छोटे किसानों को सशक्त बनाया: वीरेन्द्र कुमार पृष्ठ 6

भारतीय टेक इंडस्ट्री वर्ष 2026 में 300 बिलियन डॉलर का राजस्व करेगी प्राप्त पृष्ठ 8

सार-समाचार

राष्ट्रपति आज से बिहार, मध्य प्रदेश व गुजरात दौरे पर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल से बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की पांच दिन की यात्रा पर जाएंगी। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोमवार को बताया कि यात्रा के पहले दिन श्रीमती मुर्मु बिहार की राजधानी पटना में पटना मेडिकल कॉलेज के शताब्दी समारोह में शामिल होंगी। बुधवार को राष्ट्रपति मध्य प्रदेश के छतरपुर के गढ़ा में श्री बागेश्वर जन सेवा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगी। उसी दिन राष्ट्रपति गुजरात के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर श्रद्धांजलि सुमन अर्पित करेंगी और नर्मदा आरती देखेंगी।

फ्रांस में रूसी वाणिज्य दूतावास के पास विस्फोट

मॉस्को/मार्सिले, एजेंसी। फ्रांसीसी शहर मार्सिले में रूसी वाणिज्य दूतावास में सोमवार को विस्फोट हुआ। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि दूतावास के परिसर में हुआ विस्फोट आतंकवादी हमला हो सकता है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने सरकारी समाचार एजेंसी तास से कहा, मार्सिले में रूसी महावाणिज्य दूतावास के क्षेत्र में हुए विस्फोटों में आतंकवादी हमले के सभी लक्षण हैं। हम मांग करते हैं कि जांच के लिए व्यापक और त्वरित कदम उठाए जाएं, साथ ही रूसी विदेशी मिशनों की सुरक्षा को मजबूत किया जाए।

यूएसएआईडी फंडिंग पर कांग्रेस व भाजपा उलझे

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी एजेंसी यूएसएआईडी की ओर से भारत में 'वोटर टर्नआउट' बढ़ाने के लिए की गई कथित फंडिंग से उठा राजनीतिक तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस और बीजेपी लगातार एक दूसरे पर हमलावर है। कांग्रेस ने इसे देश को गुमराह करने के लिए एक और 'जुमला' बताया, जबकि बीजेपी ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर देश के खिलाफ साजिश रचने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया।

केआईआईटी छात्र मौत मामले में न्यायिक जांच की मांग

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के केआईआईटी विश्वविद्यालय में नेपाली छात्र की संदिग्ध मौत के मामले में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की तरफ से न्यायिक जांच की मांग की गई है। पार्टी ने इसे एक संगठित हत्या बताते हुए पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा और तत्काल कार्रवाई की मांग की है। सीपीआई(एम) ओडिशा राज्य समिति के सचिव सुभाष चंद्र पाणिग्राही ने कहा कि केआईआईटी विश्वविद्यालय में नेपाली छात्र की दुखद और संदिग्ध मौत कोई दुर्घटना नहीं बल्कि एक संगठित अपराध है।

क्राइम ब्रांच ने कार रैकेट का पर्दाफाश किया, 7 गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक बड़े कार रैकेट का पर्दाफाश किया है। आरोपियों ने नकली आधार और पैन कार्ड का इस्तेमाल कर 7.30 करोड़ की प्रीमियम कारें खरीदीं। नकली दस्तावेजों से बैंकों से लोन लेकर कारें खरीदने के बाद इंजन और चेसिस नंबर बदलकर इन्हें अन्य राज्यों में बेचा गया। सात आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। आरोपियों ने राज्य के बाहर स्थित व्यापारियों के जीएसटी नंबरों का उपयोग किया।

जयललिता का जन्मदिन मनाया

चेंगलपट्टू, एजेंसी। तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) पार्टी के पदाधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता का 77वां जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया। पूरे तमिलनाडु में एआईएडीएमके के कार्यकर्ता जयललिता की जयंती के अवसर पर उत्सव का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें केक काटना, मिठाई बांटना और भोजन वितरित करना शामिल है। चेंगलपट्टू जिले के मराईमलाईनगर और आसपास के इलाकों में एआईएडीएमके के पदाधिकारी जयललिता की प्रतिमा पर फूल चढ़ा कर और माला पहनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। इसके साथ ही मिठाई बांटी जा रही है और भोजन तथा कल्याण सहायता का वितरण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर विशेष रूप से मराईमलाईनगर नगर पालिका के विभिन्न इलाकों में उत्सव मनाया जा रहा है।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन का शुभारंभ, प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योगपतियों से किया आव्हान

मप्र में निवेश का यह सही समय

विपक्ष पर साधा निशाना, बोले- 2 दशक पहले मप्र में निवेश करने से लोग डरते थे, भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री को दी बधाई

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए आशान्वित है। भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता को सिद्ध किया है, जिसके परिणाम स्वरूप सम्पूर्ण विश्व भारत पर विश्वास प्रकट कर रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार प्रदेश की विकास दर को नई ऊँचाइयां देने के लिए निरंतर हरसंभव प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने उद्योगपतियों से आव्हान करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश का यही समय है और सही समय है।

श्री मोदी ने आज यहां वैश्विक निवेशक सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि यही विश्वास हम मध्यप्रदेश में अनुभव कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विपक्षी कांग्रेस पर बिना नाम लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दो दशक पहले लोग मध्यप्रदेश में निवेश करने से डरते थे। जिस प्रदेश में बसें ठीक से नहीं चल पाती थीं, वह राज्य अब इलेक्ट्रिक व्हीकल के मामले में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 तक प्रदेश में 2 लाख इलेक्ट्रिक वाहन रजिस्टर्ड हुए हैं, जो दर्शाता है कि नए क्षेत्रों में भी मध्यप्रदेश निवेश आकर्षित कर रहा है। लीथियम बैटरी और न्यूक्लीयर एनर्जी में भी निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। रानी कमलापति स्टेशन के चित्र सभी का मन मोह रहे हैं। इसी तर्ज पर प्रदेश के 80 रेलवे स्टेशनों को विकसित किया जा रहा है। विमानन सेवा के लिए ग्वालियर और जबलपुर के एयरपोर्ट को विस्तार दिया गया है। उन्होंने इस समिट के भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई दी। प्रधामनंत्री श्री मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का पांचवां बड़ा राज्य है, कृषि और खनन में अग्रणी है, इसके साथ ही राज्य को माँ नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है।

देश का कॉटन कैपिटल है मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को देश का कॉटन कैपिटल बताते हुए कहा कि कपड़ा उद्योग और कॉटन सप्लाय में मध्यप्रदेश, देश का सबसे बड़ा उत्पादक है। यहां का मलबरी सिल्क और चंदेरी साड़ियां भी बहुत पसंद की जाती हैं। देश में बन रहे सात बड़े टेक्सटाइल पार्क में से एक मध्यप्रदेश में है। देश के टूरिज्म सेक्टर में मध्यप्रदेश अजब भी है और गजब भी है। नर्मदा के किनारे पर्यटन का पर्याप्त विकास हुआ है। प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म की भी अपार संभावनाएं हैं। श्री मोदी ने समिट में हिस्सा लेने आए उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यहां 300 से अधिक इंडस्ट्री जोन हैं और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। एनर्जी सेक्टर में आए बूम का मध्यप्रदेश को लाभ मिला है। हाल ही में 45 हजार करोड़ रूपए लागत की केन-बेतवा लिंक परियोजना की आधारशिला रखी गई, जिससे 10 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता बढ़ेगी।

निवेश प्रोत्साहन के लिए 18 नई नीतियां लॉन्च

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रिमोर्ट का बटन दबाकर प्रदेश में औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए लागू 18 नवीन नीतियों का शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश उद्योग नीति 2025, एमएसएमई नीति, एक्सपोर्ट प्रमोशन नीति, लॉजिस्टिक्स नीति, स्टार्टअप नीति, मध्यप्रदेश एनीमेशन, वीआर, गैमिंग कामिक्स और विस्तारित रियलिटि नीति, जीसीसी नीति, सेमी कंडक्टर नीति, ड्रोन संवर्धन और उपयोग नीति, फिल्म पर्यटन नीति, पर्यटन नीति, पम्पड हाइड्रो स्टोरेज नीति, सिटी गैस डिस्टिब्यूशन नीति, विमानन नीति, नवकरणीय ऊर्जा नीति, स्वास्थ निवेश प्रोत्साहन नीति और एकीकृत टाउनशिप नीति शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वागत उद्बोधन में कहा-

2025 उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनेगा

इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सतत विकास और औद्योगिक निवेश की दिशा में नए कदम बढ़ाऐ जा रहे है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की थीम अनंत संभावनाएँ है, जो प्रदेश में उद्योग और निवेश की असीमित संभावनाओं को दर्शाती है। उन्होंने वैश्विक निवेशक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास का मंत्र दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए विकसित मध्यप्रदेश समस्त प्रदेशवासियों के साथ महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहले दिन 22 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव

भोपाल, देशबन्धु। वैश्विक निवेशक सम्मेलन 2025 के पहले दिन आज 22 लाख 50 हजार 657 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव और एमओयू (करार) हुए हैं। अकेले रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में 5 लाख 21 हजार 279 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव और एमओयू हुए हैं। एनएचएआई के साथ 1 लाख करोड़ का एमओयू हुआ है। इससे 4010 किमी सड़क परियोजनाओं पर काम होगा। निवेशक सम्मेलन को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमने जो कल्पना की थी, उससे ज्यादा अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग पर विशेष सत्र आयोजित

जापान से खुलेंगे निवेश के नए द्वार

भोपाल, देशबन्धु। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पार्टनर कंट्री जापान के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने और मध्यप्रदेश में निवेश के नए द्वार खोलने के लिए एक महत्वपूर्ण क्रॉस कंट्री सेशन का आयोजन किया गया। सेशन में जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग, तकनीक हस्तांतरण और साझा विकास के अवसरों पर चर्चा हुई। इसमें जापान और भारत के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया और निवेश एवं व्यापारिक संबंधों को सशक्त करने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे।

कौंसुलेट जनरल ऑफ जापान यागी कोज़ी, जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जेट्रो) के डायरेक्टर जनरल हीरोयुकी किटामारु, जेट्रो के डायरेक्टर संजय भाटिया और ब्रिजस्टोन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर हिरोशी योशीजाने ने अपने विचार रखे। इन विशेषज्ञों ने जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विभिन्न सुझाव दिये। सेशन के दौरान जापानी प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास, तकनीकी और व्यापारिक साझेदारी पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य में ऑटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में जापानी कंपनियों के लिए असीम संभावनाएं मौजूद हैं। कौंसुलेट जनरल यागी कोज़ी ने अपने संबोधन में कहा कि जापान और भारत के संबंध ऐतिहासिक रूप से काफी मजबूत रहे हैं और हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं।

जर्मन निवेशकों ने साझा किए अनुभव, मुख्य सचिव बोले-

मप्र में विश्वास के साथ करें निवेश

भोपाल, देशबन्धु। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन कंट्री सेशन में कई देशों ने मध्यप्रदेश के साथ व्यापारिक संबंध बढ़ाने की रणनीति और संभावनाओं पर चर्चा की। पहला संवाद सत्र जर्मनी के साथ हुआ। जर्मन- इंडो इनोवेशन कॉरिडोर में जर्मनी के भारत और मध्यप्रदेश के साथ व्यापार पर विस्तृत चर्चा हुई।

कंट्री सेशन में इण्डो- जर्मन कॉमर्स के डायरेक्टर जनरल स्टीफन, आंद्रे, डॉ. चाना और उद्योगपति नितेश चौधरी शामिल हुए। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सहभागिता की। इण्डो-जर्मन कॉमर्स के डायरेक्टर जनरल स्टीफन ने कहा कि भारत के साथ जर्मनी का व्यापार उल्लेखनीय स्तर पर है। जर्मनी की मध्यप्रदेश के साथ व्यापार की असीम संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में मौजूद खनिज, हरित ऊर्जा और कनेक्टिविटी की संभावनाओं पर निवेश के अनेक अवसर हैं। प्रदेश की नीतियां भी निवेश के अनुकूल है। एम.डी. आंद्रे एगोल ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 मेड इन इण्डिया और फॉर इन इण्डिया के उद्देश्य को मजबूती प्रदान करेगा। उद्योगपति डॉ. चाना ने मध्यप्रदेश के साथ अपने सकारात्मक व्यापारिक अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि विगत 15 सालों में मध्यप्रदेश की निवेश और सराहनीय औद्योगिक प्रगति हुई है। नदी जोड़ों परियोजनाओं ने औद्योगिक संभावनाओं को और अधिक विस्तृत कर दिया है। रसायन उद्योग से जुड़े श्री नितेश चौधरी ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है। प्रदेश की भोगौलिक स्थिति उद्योगों की स्थापना के लिये रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में सड़कों और रेल कनेक्टिविटी बेहतर होने से स्वास्थ्य, शिक्षा और खनिज आधारित उद्योग की असीम संभावनाएं मौजूद है। मुकेश हजेला चेयरमेन ई मेरिटस एनआईसीटी जीआईआईसी ने कहा कि मध्यप्रदेश और जर्मन कंपनियों के बीच साझेदारी का कारण केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक भी है। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि जर्मनी निर्माण उद्योग का हब है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश और जर्मनी के आपसी व्यापारिक संबंधों की अनंत संभावनाएं हैं।

मप्र में सुनहरा दौर : उद्योगपतियों ने निवेश के लिए जताई सहमति

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा करते हुए उद्योगपति गौतम अडाणी

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं और देश-विदेश के उद्योगपति इसे एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में देख रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 को लेकर उद्योग जगत में खासा उत्साह देखा जा रहा है। देश के प्रमुख उद्योगपतियों ने राज्य में निवेश को लेकर अपनी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में शामिल होने भोपाल आए उद्योगपति गौतम अडाणी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ वन-टू-वन चर्चा में कहा है कि इस आयोजन में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल ने देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का विकास हो रहा है। श्री अडानी ने घोषणा की है कि उनका समूह 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ इस विकास यात्रा में आपके साथ है।

श्री अडाणी ने कहा कि उनका ग्रुप मध्यप्रदेश में सीमेंट, सीवेज, खनन, स्मार्ट-मीटर और थर्मल-एनर्जी के क्षेत्रों में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये का नया निवेश कर रहा है। इससे 2030 तक राज्य में 1 लाख 20 हजार रोजगार सृजन होंगे। श्री अडाणी ने बताया कि इसके साथ ही समूह एक ग्रीनफील्ड स्मार्ट-सिटी विकसित करने की योजना पर भी काम कर रही है। इसमें 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त निवेश शामिल होगा। आशा है कि ये सभी निवेश मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

अडाणी ग्रुप 1 लाख 10 हजार करोड़ का निवेश करेगा

भोपाल में निवेश की संभावनाएं देखने आया हूं, मेरे लिए यह बेहद रोमांचक: मार्टिन यू. माइयर

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर विदेशी निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिला। मुंबई स्थित स्विट्जरलैंड के वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्य दूत मार्टिन यू. माइयर ने जीआईएस में शामिल होकर कहा कि यह मेरे लिए बेहद रोमांचक है। मैं पहली बार मध्यप्रदेश आया हूं और भोपाल में यह देखना चाहता हूं कि यहां क्या संभावनाएं हैं।

नादिर गोदरेज, चेयरमैन, गोदरेज इंडस्ट्रीज

मध्यप्रदेश विकास की ओर तेजी से अग्रसर है और यहां निवेश करना सदैव लाभदायक रहा है। हमें पूर्व में जो भी समर्थन चाहिए था, वह मिला और प्रगति लगातार जारी है। अब राज्य भविष्य के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लीड करें और एमपी सक्सीड करें। उनकी सरकार में बिजनेस रेगुलेशन्स को सरल बनाया गया है, जिससे निवेशकों के लिए राज्य और अधिक आकर्षक बन गया है।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से की वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पतंजलि ग्रुप के सीईओ आचार्य बालकृष्ण से मुलाकात की। वहीं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कार्य कर रहे जिंदल इंडिया संस्थान के प्रमोटर गुंजन जिंदल पोद्दार और अन्य प्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री से भेंट की।

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन सोमवार को विभिन्न उद्योगपतियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा की। पतंजलि समूह के आचार्य बालकृष्ण ने भेंट के दौरान मुख्यमंत्री से हेल्थ एवं वेलनेस क्षेत्र में निवेश के संदर्भ में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट करने वालों में इटली के कान्सूलेट जनरल वॉलटर फेरेरा भी थे। ईजीट्रिप डॉट कॉम के सीईओ एवं कॉ-फाउण्डर रिकांत पिटी ने भी भेंट की और पर्यटन क्षेत्र में निवेश संबंधी चर्चा की। टॉरेंट पॉवर के जिगिश मेहता एवं ओमप्रकाश नेनवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में निवेश की इच्छा जताई।

आदित्य बिरला ग्रुप के प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में औद्योगिक संभावनाओं को तलाशने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा।

हिन्डालको कम्पनी के एमडी सतीश पई, एमडी ग्रेसिम एच.के. अग्रवाल, एसेल माईनिंग के एमडी थॉमस चेरियन, अरविंद ग्रुप के डॉ. परम शाह एवं एनटीपीसी के चेयरमैन एवं एमडी गुरदीप सिंह ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वन-टू-वन चर्चा की। गोदरेज समूह के ग्रुप प्रेसीडेंट राकेश स्वामी भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले। उन्होंने रियल स्टेट और टाउनशिप क्षेत्र में समूह द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी दी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

महाशिवरात्रि पर निकलेगी भोले की बारात

इटारसी, देशबन्धु। महाशिवरात्रि के पावन मौके पर भगवान भोले के विवाह का आयोजन किया जाएगा। इसी के अंतर्गत भोले की बारात भी निकाली जाएगी जिसमें भूत और कैलाशवासी बाराती बनेंगे। यह आयोजन श्री साईंशक्ति समिति, शिव शक्ति मंदिर मालवीयगंज द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन बूढ़ी माता मंदिर चौराह, शिवशक्ति मंदिर मालवीयगंज में होगा। महाशिवरात्रि के मौके पर 26 फरवरी की शाम 5 बजे बूढ़ी माता मंदिर से बारात प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से होकर शिव शक्ति मंदिर पहुंचेगी। सोमवार की शाम 5 बजे शिव विवाहोत्सव के अंतर्गत मंडप होगा तथा 25 फरवरी को सुबह 11 बजे मंडप पूजन, रात्रि 8 बजे संगीत एवं मेहंदी, दोपहर 12 बजे से भंडारा होगा। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से समस्त आयोजन में शामिल होने का अनुरोध किया है।

राज्य स्तरीय नेतृत्व विकास शिविर में सीएम राइज सुखतवा के दो बच्चों का चयन

इटारसी, देशबन्धु। जनजातीय वर्ग के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के लिए राज्य स्तरीय नेतृत्व विकास शिविर शैक्षणिक भारत दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय सीएम राइज विद्यालय सुखतवा से दो विद्यार्थियों मनीष

हजारीलाल धुर्वे कक्षा 10 वी एवं रक्षा नारायण धुर्वे कक्षा 10 वी में प्राप्त क्रमशः 95 प्रतिशत एवं 86 प्रतिशत प्राप्त कर भारत भ्रमण कार्यक्रम हेतु चयनित होने पर विद्यालय परिवार की ओर से बधाई दी गई। प्राचार्य प्रदीप सिंह राजपूत ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र छात्राओं में नेतृत्व गुण विकसित करने, मनोबल बढ़ाने एवं उनके अंदर आधुनिक सोच विकसित करने तथा देश/प्रदेश के विकास से परिचित कराने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय 'नेतृत्व विकास शिविर/शैक्षणिक भारत दर्शन भ्रमण' हेतु भोपाल से नई दिल्ली एवं आगरा का भ्रमण और साथ ही शैक्षणिक कैंप मै शामिल कराया जाना है, जो 25 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित किया जाना है।

पथरोटा पुलिस ने चालानी कार्रवाई में 7 हजार रुपए से अधिक का राजस्व वसूला

इटारसी, देशबन्धु। शहर के भीतर और बाहर सड़कों पर आवागमन करने वाले वाहन चालकों के द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। और बिना सीट बेल्ट और और हेलमेट पहने वाहन

चालन किया जा रहा है। आज पथरोटा थाना पुलिस की टीम ने 11 मुखी हनुमान मंदिर वाले मुख्य मार्ग पर थाना प्रभारी संजीव कुमार पवार के नेतृत्व में वाहन चालकों के खिलाफ यातायात नियमों के उल्लंघन करते पाए जाने पर कार्रवाई की। इस दौरान मौके पर तीन चार पहिया वाहन चालकों को बिना सीट बेल्ट एवं 20 वाहन चालकों के बिना हेलमेट के वाहन चालन के दौरान लापरवाह वाहन चालकों से 7 हजार रुपए से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

मंडी में अत्यधिक आवक होने से ट्रालियों का प्रवेश बंद

इटारसी, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी में दो दिन खरीद कार्य नहीं होगा। मंडी प्रशासन ने किसानों से 25 एवं 26 फरवरी को अपनी उपज लेकर मंडी परिसर में नहीं आने का अनुरोध किया है। मंडी में अत्यधिक आवक होने और जगह नहीं होने के कारण यह निर्णय लिया है। मंडी में भारसाधक अधिकारी एवं एसडीएम टी प्रतीक राव के आदेश से आज 24 फरवरी की शाम 5 बजे से 26 फरवरी 25 तक मंडी प्रांगण में प्रवेश बन्द कर दिया है। शिवरात्रि अवकाश के पश्चात 27 फरवरी 25 को प्रात:4 बजे से मंडी प्रांगण में ट्रैक्टर-ट्राली को कृषि उपज के विक्रय हेतु प्रवेश दिया जाएगा।

महिला के घर पर कब्जा करने की कोशिश, सामान बाहर फैंका

इटारसी, देशबन्धु। पुरानी इटारसी में एक महिला के मकान पर चार लोगों ने कब्जा करने की कोशिश की और उसका सामान घर से बाहर फैक दिया। इन लोगों ने महिला के घर में तोड़फोड़ की और गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुरानी इटारसी में शनि मंदिर के पास निवासी महिला सुनीता पति अनिल बाजपेयी, उम्र 57 वर्ष के घर राजेन्द्र वाजपेयी, ईशान अग्रवाल, सतीश तिवारी और चेतराम यादव ने पहुंचकर उसके घर से सामान बाहर फैक दिया और कब्जा करने की नीयत से उससे गाली गलौच की और घर में तोड़फोड़ करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने चारों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

नहर के पुल पर लटका डंपर, रास्ता जाम

इटारसी, देशबन्धु। तवा की दायीं तट नहर पर ग्राम पीपलढाना से पहले बने पुल पर बीती रात एक डंपर अनियंत्रित होकर लटक गया। डंपर नहर के पुल पर फंसने से रास्ता जाम हो गया।

बता दें कि यह एक ऐसा पुल है, जहां एक वाहन के अलावा कोई नागरिक पैदल भी नहीं निकल सकता। वर्षों पूर्व के ट्रैफिक और अपनी ड्यूटी के लिए बने पुल पर वर्तमान में ट्रैफिक का भारी दबाव है। दिनभर में हजारों वाहन यहां से निकलते हैं, पुल की हालत भी जर्जर है, ऐसे में बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता है। बीती रात हादसे के बाद ग्रामीणों का कहना था, कि यह तो होना था। क्योंकि सिंगल रास्ता, जर्जर पुल और प्रतिदिन निकालते सैकड़ों ओव्हर लोड डंपर यहां हमेशा हादसों की संभावना बनाते हैं। लगभग 50-60 गांव और सिवनी मालवा से होते हुए इंदौर का महत्पूर्ण रोड यही है। सैंकड़ों रेत, मुरम, गिट्टी आदि के डंपर यहां अंधाधुंध दौड़त हैं। दो दिनों बाद तिलक सिंदूर का महाशिवरात्रि मेला है जिसमें लाखों लोगों का आना होगा। प्रशासन को मेले के दौरान डंपरों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाना होगा, अन्यथा हादसा हो सकता है।

इधर ग्राम पंचायत सचिव मनीष राजपूत ने तहसीलदार इटारसी को पत्र लिखकर महाशिवरात्रि पर्व के दौरान तिलक सिंदूर में लगने वाले मेला को देखते हुये मेला अवधि तक इटारसी से वाया जमानी धर्मकुण्डी सड़क मार्ग पर रेत, मुरम, गिट्टी, मट्टी बजरी से भरे अथवा खाली डंपरों पर रोक लगाने की मांग की है। यह पत्र तहसीलदार को इटारसी तहसील कार्यालय में सौंपा गया है। देखना होगा प्रशासन कब आदेश जारी करता है, बतादे लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने पर गत दिवस बड़ी नहर की पुलिया में एक डंपर लटक गया था और रास्ता बंद हो गया था

अपर कलेक्टर ने किया तिलक सिंदूर मेले की तैयारियों का निरीक्षण

इटारसी, देशबन्धु। तिलक सिंदूर में महाशिवरात्रि मेले का आयोजन बुधवार, 26 फरवरी को किया जाएगा। प्रशासन इसकी तैयारी कर रहा है। जनपद पंचायत केसला द्वारा आयोजित इस मेले की मॉनिटरिंग जिला स्तर से भी की जा रही है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा स्वयं यहां का निरीक्षण कर चुकी हैं। कल अपर कलेक्टर डीके सिंह भी यहां की व्यवस्था देखने पहुंचे। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने भी यहां मेले की तैयारियों को लेकर निरीक्षण किया। इस दौरान नायब तहसीलदार शंकरसिंह रघुवंशी, पथरोटा थाना

प्रभारी संजीव पवार, मेला समिति के नारायण बावरिया, संतोष राजपूत, विनोद वारिवा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि तिलक सिंदूर में तीन दिवसीय मेले का आयोजन महाशिवरात्रि के मौके पर किया जाएगा। यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। जंगल में स्थित गुफा मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक, पूजन-दर्शन करने पहुंचने वाले भक्तों के लिए नीचे मैदान में मेला लगता है। हजारों भक्तों को व्यवस्था उपलब्ध कराने को लेकर प्रशासन की तैयारी चल रही है।

5 वर्षीय बच्ची बाजार में रास्ता भटकी, पुलिस ने परिजन से मिलाया

इटारसी, देशबन्धु। नर्मदापुरम जिले के थाना शिवपुर क्षेत्र के पगढाल में एक पांच वर्षीय बच्ची बाजार में छूटने से रास्ता भटक गई थी। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल शिवपुर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक पूनम बिल्लौरे एवं पायलेट विकास यादव ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को संरक्षण में लिया। डायल 112/100 जवानों ने बच्ची को एफआरव्ही वाहन से साथ लेकर आसपास परिजन की तलाश की। पूछताछ करने पर बालिका के परिजन की जानकारी

मिली। डायल - 112/100 जवान बालिका को परिजन के पास लेकर पहुंचे, पहचान व सत्यापन उपरांत बालिका को परिजन के सुपुर्द किया। प्राप्त जानकारी अनुसार बालिका परिजन के साथ बाजार में आई हुई थी जो साथ छूट जाने से रास्ता भटक गयी।

अजा एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम पर कार्यशाला का आयोजन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिला अभियोजन संचालनालय नर्मदापुरम द्वारा संचालक लोक अभियोजन निदेशालय भोपाल के निर्देशानुसार संभाग के अभियोजन अधिकारियों एवं लोक अभियोजक, अपर लोक अभियोजक को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम पर एक दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन नवीन कलेक्टरेट सभागार नर्मदापुरम में किया।

मुख्य अतिथि जे पी यादव, संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग नर्मदापुरम, विशेष अतिथि बृजेन्द्र रावत सिटी न्यायाधीश, नर्मदापुरम एवं एसडीओपी पुलिस पराग सैनी, उपस्थित रहे। जिला लोक अभियोजन अधिकारी नर्मदापुरम राजकुमार नेमा एवं जिले के सभी अभियोजन अधिकारी प्रशिक्षणार्थी के रूप में शामिल हुए थे। विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम नर्मदापुरम मनोज कुमार, एस सी/एस टी एक्ट पर प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश ज़फ़र इक़बाल ने एनडीपीएस एक्ट पर, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत ने नवीन कानून एवं बदलते परिवेश में अपराधों के विभिन्न प्रारूप के संबंध में, जेपी यादव संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग नर्मदापुरम ने पीड़ित को राहत राशि प्रदाय किए जाने के संबंध में विचार व्यक्त किए।

बाल संरक्षण अधिकारी नर्मदापुरम आशु पटेल ने किशोर न्याय अधिनियम एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के संबंध में विचार व्यक्त किए। दिनेश कुमार यादव, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नर्मदापुरम ने अपील संबंधित नवीन प्रावधानों पर व्याख्यान दिए। आयोजक राजकुमार नेमा जिला अभियोजन अधिकारी जिला नर्मदापुरम एवं संचालन विक्रम चौधरी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी तहसील पिपरिया जिला नर्मदापुरम ने किया। मनोज कुमार, विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम नर्मदापुरम, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश ज़फ़र इक़बाल ने सभी प्रक्षिणार्थी को प्रमाण पत्र वितरित किये। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नर्मदापुरम प्रमोद पटेल ने आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ नागरिक संघ की बैठक में संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार

इटारसी, देशबन्धु। पुरानी इटारसी वरिष्ठ नागरिक संघ की मासिक बैठक राम मंदिर सभागार में डॉ अनिरुद्ध कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में हुई जिसमें नई कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार किया तथा संघ द्वारा विभिन्न विभागों एवं प्रशासन से समन्वय कर जन हितैषी एवं आमजन से जुड़े हुए कार्यों का ब्यौरा दिया गया।

इस दौरान सदस्यों से संघ के कार्यक्षेत्र के विस्तार की योजना पर सुझाव लिए। आगामी माह में संघ का स्थापना दिवस एवं वार्षिक मिलन कार्यक्रम भी रखने का प्रस्ताव पारित हुआ। पूर्व में विधायक डॉ सीतासरन शर्मा द्वारा नगर

पालिका परिषद से संघ के कार्यालय हेतु दिए भवन एवं फर्नीचर और लाइब्रेरी को पुन: प्रारंभ करने का भी निर्णय हुआ जो कि कोविड काल में बंद हो गया था। संरक्षक एपी चौधरी, डॉ अनिरुद्ध कुमार शुक्ला, आरसी वर्मा, शिवनारायण चौधरी छोटे भैया, अध्यक्ष अशोक कुमार दुबे, सचिव जीडी पाटिल, कोषाध्यक्ष एसपी तिवारी, संगठन मंत्री राजेंद्र कुमार दीवान, विधि सलाहकार बीआर बनोरिया, उपाध्यक्ष लीलाधर मनवारे, संतोष दीवान, टीआर चौलकर, एसपी गुप्ता के अलावा कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

स्ट्रांग मैन अशवन एवं स्ट्रांग वूमेन का खिताब रिचा को मिला

इटारसी, देशबन्धु। जिला पॉवरलिफ्टिंग एसोसिएशन इटारसी के तत्वावधान में, जिला स्तरीय सब जूनियर, जूनियर बालक एवं बालिका क्लासिक पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप, पुरानी इटारसी में हुई। शुभारंभ बल और बुद्धि के आराध्य श्री बजरंगबली के चित्र पर, पूर्व मंडी अध्यक्ष रमेश बामने ने दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया।

इस अवसर पर जिला पॉवर लिफ्टिंग सचिव जगदीश जुनानिया, अध्यक्ष मनोज बामने एवं इटारसी होशंगाबाद, सोहागपुर से आए हुए, समस्त जिम संचालक, कोच एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता सुबह 09 बजे से प्रारंभ हुई जिसमें की 59 किलो सब जूनियर वेट ग्रुप में यशवंत कटारे प्रथम एवं अंकुश द्वितीय स्थान पर रहे। 59 किग्रा जूनियर में कुशाग्र सराठे प्रथम, हिमांशु पटेल द्वितीय एवं ओम यादव तृतीय स्थान पर रहे। 66 केजी सब जूनियर वेट ग्रुप में विरास ढगे

प्रथम स्थान पर रहे। 74 केजी वेट ग्रुप सब जूनियर में अनिरुद्ध मालवीय प्रथम रहे एवं जूनियर में तिलक सिकरवार प्रथम एवं शिवांश पटेल द्वितीय स्थान पर रहे। 83 केजी जूनियर वेट ग्रुप में शुभम साहू प्रथम एवं आदर्श चौरे द्वितीय स्थान पर रहे। 105 केजी जूनियर वेट ग्रुप में पृथ्वी सिंह भदौरिया प्रथम रहे। महिला वर्ग में 69 केजी वेट ग्रुप जूनियर में रिचा मेहरा प्रथम स्थान पर रही। उक्त प्रतियोगिता के समापन में विशेष अतिथि, विलास ढगे, सुनील लौवंशी, प्रेम पांडे, पप्पू तोमर उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका में जगदीश जुनानिया, मनोज बामने, मनोज बोहित रहे।

स्वसहायता समूहों को नगर पालिका क्षेत्र में काम देने की मांग

विधायक, कलेक्टर, नगर पालिका सीएमओ को दिया ज्ञापन

बैतूल, देशबन्धु। नगर पालिका क्षेत्र की स्वसहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार देने की मांग को लेकर सिटी लेवल तासि महिमा महिला मंडल बैतूल की अध्यक्ष रेखा अहिरवार के नेतृत्व में महिलाओं ने कलेक्टर, विधायक और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने कहा कि वे डे-एनयूएलएम योजना के तहत गठित स्वसहायता समूहों की सदस्य हैं और पिछले कई वर्षों से विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय हैं। शासन द्वारा स्वसहायता समूहों को प्राथमिकता दी जाती है और आजीविका से जोड़ने के लिए समय-समय पर दिशा-निर्देश भी जारी किए जाते हैं।

महिला मंडल ने ज्ञापन में कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में पार्कों के रखरखाव, ट्रेंचिंग ग्राउंड और फिल्टर प्लांट के मेंटेनेंस जैसे कार्य स्वसहायता समूहों की महिलाओं को दिए जाने के निर्देश शासन द्वारा पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा, शहर में एसएचजी महिलाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराने के लिए जेंडर फ्री वेंडर मार्केट बनाने की योजना भी शासन स्तर पर बनाई गई है। महिलाओं ने मांग की कि नगर पालिका परिषद क्षेत्र में उक्त कार्य स्वसहायता समूहों की महिलाओं को ही सौंपे जाएं, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और आर्थिक रूप से मजबूत हो सकें। ज्ञापन सौंपने के दौरान सिटी लेवल तासि महिमा महिला मंडल की कई सदस्य उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि महिलाओं को रोजगार के अवसर देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

ऑटो चालक का सरेराह किया अपहरण, सुनसान जगह ले जाकर की मारपीट

निगरानी गुंडा है आरोपी, प्रकरण दर्ज

भोपाल,देशबन्धु। पिपलानी इलाके में सरेराह ऑटो चालक के अपहरण का मामला सामने आया है। पिपलानी थाने के निगरानी बदमाश ने उसे अगवा कर जहांगीराबाद की एक सुनसान जगह ले जाकर मारपीट की। घटना 14 फरवरी की है, लेकिन शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने अब प्रकरण दर्ज किया। हालांकि आरोपी अब तक फरार है।

थाना प्रभारी अनुराग लाल के अनुसार, कौशलेंद्र यादव उम्र 45 वर्ष के चार ऑटो रिक्शे हैं। वह खुद भी ऑटो चलाने के साथ-साथ अन्य चालकों से भी ऑटो चलवाने का काम करता हैं। वह एफ सेक्टर में रहते हैं और 14 फरवरी की रात करीब नौ बजे सवारी के इंतजार में खड़ा था। तभी आरोपी मुश्ताक खान वहां पहुंचा और तंज कसते हुए कहा कि तेरा भाई फौज में है तो बहुत जोर दिखाता है? इसके बाद उसने चाकू निकालकर धमकाया और कॉलर पकड़कर जबरन मोटरसाइकिल पर बैठा लिया।मुश्ताक अपने साथी के साथ उसे पुल बोगदा

के समीप स्तिथ गुरुद्वारे के पास एकांत में ले गया और वहां मारपीट की। इसी दौरान पीड़ित के भाई का फोन आया। आरोपी ने उसे जबरन झूठ बोलने के लिए मजबूर किया कि वह अप्सरा टॉकीज के पास कलारी पर शराब खरीद रहा है। इसके बाद जब दोनों आरोपी शराब पीने में व्यस्त हो गए, तो पीड़ित मौका देखकर वहां से भाग निकला और घर पहुंचकर पत्नी और बेटे को पूरी घटना बताई। इसके बाद पीड़ित की पत्नी ने फोन पर घटना की जानकारी अपने देवर को दी, जो बंगरसिया में रहता है और आरपीएफ में जवान है। भाई के साथ पीड़ित थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपी पहले भी उसके साथ मारपीट कर चुके हैं, लेकिन वह कारोबारी होने के कारण किसी से दुश्मनी नहीं लेना चाहता था, इसलिए चुप रहा।

बिजली मीटर से छेड़छाड़ करने पर होगी कार्यवाही

भोपाल,देशबन्धु। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि यदि बिजली के मीटर में अनावश्यक छेड़छाड़ पाई जाती है तो ऐसा करने वालों के विरूद्ध धारा 136 के तहत कार्रवाई होगी। कंपनी का कहना है कि किसी उपभोक्ता को मीटर, उसकी रीडिंग, बिलिंग या बिजली व्यवधान जैसी कोई शिकायत हो तो वे तुरंत कॉलसेंटर के फोन नंबर 1912 पर या ऑनलाइन वेबसाइट अथवा उपाय एप या बिजली वितरण केन्द्र, जोन कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण की पूरी व्यवस्था की गई है। यदि उपभोक्ता शरारती तत्वों के बहकावे में आकर मीटर में तोड़फोड़ या उखाड़कर अन्यत्र स्थापित करने या सर्विस लाइन को नुकसान पहुंचाने का कार्य करते हैं तो उनके विरूद्ध विद्युत अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी जिसमें 3 वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रूपये का जुर्माना अथवा दोनों सजाओं से दण्डित करने का प्रावधान है।

अश्वगंधा से आत्मनिर्भर बनेंगे किसान

प्रधानमंत्री किसान सम्मान समारोह में आयुष विभाग ने दी औषधीय खेती की जानकारी

बैतूल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त वितरण के अवसर पर आयोजित किसान सम्मान समारोह में आयुष विभाग बैतूल ने किसानों को औषधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूक किया। जिले में एक जिला एक औषधीय उत्पाद (ओडीओएमपी) योजना के तहत अश्वगंधा को औषधीय उत्पाद के रूप में चुना गया है।

आयुष विभाग बैतूल के अधिकारियों ने किसानों को अश्वगंधा की खेती, उसके औषधीय गुणों और आर्थिक लाभों के बारे में जानकारी दी। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र बैतूलबाजार में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। आयुक्त, संचालनालय आयुष म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर बैतूल के मार्गदर्शन में जिले में देवारण्य योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला देवारण्य तकनीकी समिति द्वारा चयनित अश्वगंधा को किसानों के लिए लाभकारी बताया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि अश्वगंधा की खेती से किसानों को अतिरिक्त आमदनी हो सकती है और यह पारंपरिक खेती का एक बेहतर विकल्प बन सकता है। किसान सम्मान समारोह में उपस्थित किसानों ने इस पहल का स्वागत किया और औषधीय पौधों की खेती को अपनाने की इच्छा जताई। कार्यक्रम में कृषि विभाग, आयुष विभाग के अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और लाभों की जानकारी भी दी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला 5 मार्च को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, नर्मदापुरम द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 5 मार्च को शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनीमालवा जिला नर्मदापुरम में किया जाएगा। रोजगार एवं स्वरोजगार में छात्र-छात्राओं को निजि क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार हितधारकों के लिये स्टॉल लगाये जायेंगे। जिला रोजगार अधिकारी ने उक्त जानकारी देते हुए कहा है कि रोजगार के इच्छुक युवक एवं युवतियां अपना पंजीयन कर सकते है। रोजगार मेला में नहर (मंडीदीप), वर्धमान (मंडीदीप). ट्राइडेंट (बुदनी), मदरसन कंपनी (गुजरात), सम्हिता पी.एस.टी. इन्डस्ट्री, भास्कर प्राइवेट लिमिटेड (मंडीदीप), यशस्वी ऐकैडमी (भोपाल), नवकिसान बायोटेक, प्रथम एजुकेशन भोपाल, पुखराज, कौशल विकास केंद्र जबलपुर, स्क्वुस सिक्योरिटी, एचडीएफसी लाईफ, ऐक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा, एमआईसी., काल्टिंग एण्ड डिजाइन, ग्लेसिओ, दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना, फेम लाईट अप दि वर्ल्ड आदि कंपनियां उपस्थित रहेंगी।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में ओपन पूल कैम्पस इंटरव्यू आज

हरदा, देशबन्धु। क्यूमिन्स इंडिया कम्पनी द्वारा शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में 25 फरवरी को डिप्लोमा मैकेनिकल, प्रोडक्ट्रान, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक व ऑटोमोबाइल ब्रांच के छात्रों के लिए ओपन पूल कैम्पस आयोजित किया जा रहा है। प्राचार्य ने बताया कैम्पस परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक छात्रों को पॉलिटेक्निक कॉलेज में सुबह 8:30 बजे अपने बायोडाटा व अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा।

स्वरोजगार योजनाओं में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें- कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। सरकार की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं में शासन द्वारा दिये गये लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि हासिल करें, और प्रयास करें कि सभी योजनाओं में इस माह के अंत तक शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त हो जाए। यह निर्देश कलेक्टर आदित्य सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिये। उन्होने विभिन्न विभागों की स्वरोजगार योजनाओं की एक-एक कर विस्तार से समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये कि विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों द्वारा स्थापित इकाईयों में जो उत्पादन वो कर रहे हैं, उनके विक्रय के लिये बाजार उपलब्ध कराने हेतु जिला मुख्यालय पर अलग से हाट बाजार स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि इन हितग्राहियों के उत्पादों के विक्रय को प्रोत्साहन मिले और उन्हें हरदा में ही बाजार उपलब्ध हो सके। बैठक में बताया गया कि ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 12 रोजगार मेले आयोजित कर कुल 315 युवाओं को रोजगार दिलाया गया है। इस वित्तीय वर्ष में आरसेटी द्वारा 941 युवाओं को स्वरोजगार संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। कुल 23 सहायता समूहों को उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत अचार, बड़ी, पापड़ व आटाचक्की जैसे व्यवसाय शुरू करने के लिए लगभग 10 लाख रुपए का अनुदान उपलब्ध कराया गया है। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 44 हितग्राहियों को 35.49 लाख रुपए की मदद स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए दी जा चुकी है, तथा बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के तहत 7 हितग्राहियों को 11.90 लाख रुपए की मदद दिलाई गई है इसी तरह टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत 6 प्रकरणों में 3.80 लाख रुपए की मदद स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने हेतु युवाओं को दी गई है । उपसंचालक पशु चिकित्सा में बैठक में बताया कि 1377 पशुपालकों के किसान क्रेडिट कार्ड बनवाए गए हैं। बैठक में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, शहरी आजीविका मिशन, पशु चिकित्सा, कौशल उन्नयन, रोजगार, उद्यानिकी विभाग और लीड बैंक के अधिकारी मौजूद थे।

2 किलो डोडा ले जाते युवक गिरफ्तार

सारणी, देशबन्धु। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के नेतृत्व में चलाए जा रहे नशे के खिलाफ अभियान के तहत, सारणी पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सारणी श्री रोशन कुमार जैन के निर्देशानुसार, थाना सारणी एवं चौकी पाथाखेड़ा की विशेष टीम ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ एक प्रभावी कार्रवाई की।

पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली कि गुणवन्त बाबा मंदिर के मेन रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति, अजय बरई (पिता-विमल बरई, उम्र-40 वर्ष, निवासी- बटकी डोह, थाना चोपना, जिला बैतूल), एक थैली में डोडा लेकर पैदल आ रहा है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल के निर्देशानुसार, विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो उसके पास से 1.952 किलोग्राम डोडा बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 2,000 रुपए आंकी गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस अवैध मादक पदार्थ को जब्त कर लिया। आरोपी अजय बरई के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के अवैध व्यापार में लिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

महादेव मेला : शिवमय हुई सतपुड़ा की रानी

प्रशासन ने की पुख्ता व्यवस्थाएं

ड्यूटी में लापरवाही पर दो कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। महादेव की पवित्र नगरी पचमढ़ी में महाशिवरात्रि मेले का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 26 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से लाखों श्रद्धालु भगवान चौरागढ़ महादेव एवं जटाशंकर के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। अब तक लगभग 1.5 से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालु नांदिया जंक्शन होते हुए भी चौरागढ़ महादेव तक पहुंच रहे हैं।

महादेव मेला समिति के अध्यक्ष सुजान सिंह रावत एवं सचिव श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव द्वारा लगातार मेला क्षेत्र , महादेव, गुप्त महादेव, बीड क्षेत्र, सीता नहानी, नांदिया जंक्शन एवं चौरागढ़ स्थल का पैदल निरीक्षण किया जा रहा है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु प्रत्येक मेडिकल कैंप में डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पानी की आपूर्ति, सफाई एवं ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस विभाग के 550 जवान, जिला डिस्ट्रीक होमगार्ड एवं सिविल वालंटियर्स के 80 जवान, जिला स्वास्थ्य विभाग के 74 चिकित्सा अधिकारी, राजस्व विभाग के 56 कर्मचारी, साडा के 45 कर्मचारी, वन विभाग के 110 कर्मचारी एवं विद्युत विभाग के 26 कर्मचारी विभिन्न स्थलों पर तैनात किए गए हैं।

अनुपस्थित कर्मचारियों पर हुई कार्रवाई - महाशिवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। प्रशासन एवं मेला समिति द्वारा मेले को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के दर्शन कर सकें। मेले के दौरान ड्यूटी पर अनुपस्थित पाए गए दो कर्मचारियों के विरुद्ध अपर कलेक्टर नर्मदापुरम द्वारा कार्यवाही की गई है और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

अधूरी पड़ी नल -जल योजनाओं का कार्य पूर्ण कराए : संभाग आयुक्त

आगामी त्योहारों को देखते हुए कानून व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रहे

नर्मदापुरम, देशबन्धु। संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर को निर्देश दिए की वह अपने जिलों की आधी अधूरी नल जल योजना को प्राथमिकता से पूरा कराए, जिन स्थानों पर जल स्त्रोत सूख रहे हैं वहां पर राइजर पाइप डालकर पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जाए।

संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए की पुराने जीर्ण-शीर्ण जल स्त्रोतों का भी पुर्णोद्धार कर पुनर्जीवित किया जाए। सूख चुके कुंए बावड़ी हैंडपंप यहां पर सभी आवश्यक संसाधन लगाकर इन्हें पुनर्जीवित करते हुए पेयजल योग्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जल स्त्रोतों को चिन्हित कर अधिकारियों के साथ बैठक कर इन्हें चालू अवस्था में रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां पर पेयजल परिवहन की व्यवस्था की जानी है वह स्थान अभी से चिन्हित कर लिए जाएं। जहां पर ट्यूबवेल एवं बोर फेल हो रहे हैं वहां पर भी पानी की वैकल्पिक स्त्रोतों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बताया गया कि बैतूल में 19 बसाहटों में पेयजल की समस्या आगामी दिनों में उत्पन्न होगी। वहां पर पेयजल परिवहन कर व्यवस्था बनाई जाएगी। नर्मदापुरम में ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति ठीक है लेकिन कुछ चिन्हित शहरी क्षेत्र में पेयजल परिवहन की स्थिति बन सकती है। संभाग आयुक्त ने कहा कि जल जीवन मिशन में हर घर नल कनेक्शन की स्थिति एवं किए जा रहे कनेक्शन की पोर्टल में एंट्री अनिवार्य रूप से की जाए और आगामी ग्रीष्म ऋतु में पेयजल का संकट उत्पन्न ना हो इसकी कार्य योजना अभी से बना ली जाए।

श्री तिवारी ने निर्देश दिए की गेहूं उपार्जन में शासन द्वारा दिए गए निर्देश एफ ए क्यू का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। किसानों को समझाइश दी जाए कि वे स्वच्छ एवं साफ सुथरा गेहूं लेकर ही उपार्जन केन्द्रों तक आए। उन्होंने निर्देश दिए की सभी कलेक्टर्स कृषि विभाग, खाद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रतिदिन संक्षिप्त समीक्षा बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दें एवं उनकी योजनाओं की समीक्षा कर फीडबैक लेवे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र सभी गर्भवती माता, धात्री माता एवं कुपोषित बच्चों का लेखा-जोखा रखें एवं सभी को विभाग की योजनाओं से मिलने वाले लाभ से लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी अपने निर्धारित समय पर खुलें। उन्होंने निर्देश दिए की सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में तीन अनिवार्य चीज बिजली पेयजल एवं स्वच्छता का ध्यान रखा जाए। कलेक्टर स्वयं आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें एवं सेम एवं मैंम बच्चों तथा कम हाइट के बच्चों एवं बच्चों के वजन तथा पर्याप्त पोषण आहार उन्हें मिल रहा है कि नहीं इसकी जानकारी लें। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण कर कर सभी व्यवस्थाओं का अवलोकन करूंगा। उन्होंने कहा कि सीएम डेस बोर्ड में सभी विभागों ने अपनी प्राथमिकता डाल रखी है। कलेक्टर सभी विभागों की योजनाओं को देखकर उन योजनाओं में अब तक हुई उपलब्धि की एवं कर्मियों की समीक्षा करें।

संभाग आयुक्त ने हरदा, नर्मदापुरम एवं बैतूल जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए कि आगामी पर्व एवं त्योहार को देखते हुए सभी कलेक्टर अपने जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रखें। बताया गया कि नर्मदापुरम में राम जी बाबा मेला , तिलक सिंदूर का मेला एवं पचमढ़ी में महादेव मेला, बैतूल में साल बड़ी एवं भोपाली मेला तथा हरदा में महाशिवरात्रि का मेला एवं नर्मदा परिक्रमा होनी है। श्री तिवारी ने निर्देश दिए की स्कूल की परीक्षाएं शुरू हो चुकी है। सभी परीक्षाओं का संचालन सुचारु रूप से किया जाए। नकल पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाई जाए। संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए की जो कर्मचारी निलंबित है एवं उनकी सेवा सेवा बहाली में कोई विधिक रुकावट नहीं है तो ऐसे निलंबित कर्मचारियों को बहाल किया जाए। श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि राजस्व विभाग अपने बजट का योजनाओं में उपयोग कर ले और यदि बजट अधिक है तो बजट को समर्पित करने की कार्रवाई भी करें। जिन योजनाओं एवं मद में बजट की आवश्यकता है तो शासन स्तर से उन योजनाओं में बजट भी मंगा लिया जाए। श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि सीपीग्राम पोर्टल, जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी में प्राप्त प्रकरणों का तत्परता से निराकरण किया जाए एवं इस बात का ध्यान रखा जाए की कोई प्रकरण समय सीमा से बाहर निराकृत ना हो। उन्होंने कहा कि लोकसभा गारंटी में प्राप्त प्रकरण में अनावश्यक विलंब करने वाले अधिकारियों पर पेनल्टी भी अधिरोपित की जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर ऑफलाइन एवं नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह ऑनलाइन उपस्थित रहे।

सभी अनुविभागीय अधिकारी मेले एवं पर्वो की सतत रूप से मॉनिटरिंग करें :कलेक्टर

- कानून एवं शांति व्यवस्था के साथ उचित भीड़ प्रबंधन भी सुनिश्चित करें
- परीक्षाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की कोताही न बरते

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आगामी महाशिवरात्रि पर्व पर जिले में लगने वाले मेलो एवं आयोजनों के दौरान समस्त अनुविभागीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था के साथ-साथ उचित भीड़ प्रबंधन भी सुनिश्चित करें साथ ही मेला क्षेत्र की लगातार मॉनीटरिंग भी करते रहें। उक्त निर्देश कलेक्टर सोनिया मीना ने समय सीमा की बैठक के दौरान सभा कक्ष में उपस्थित अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर ने कहा कि उक्त स्थानों पर जमीनी स्तर पर सभी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी भी निरंतर क्षेत्रों का भ्रमण करते रहें। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेला आयोजन वाले समस्त स्थान पर उचित जल प्रबंधन, आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं, बेहतर परिवहन के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग एंबुलेंस भी तैनात करें। साथ ही नगर पालिका अमला ऐसे समस्त स्थान पर अग्निशमन वाहन भी तैयार रखें जिस से किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैयारी पुख्ता रहे। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर प्रतिदिन यात्रियों की रिपोर्ट लें। इस रिपोर्ट में यात्रियों की संख्या, उनके यात्रा के उद्देश्य और अन्य संबंधित जानकारी को इकट्ठा करें। इसके साथ ही, कलेक्टर ने निर्देश दिये कि कुंभ मेले के दृष्टिगत यात्रियों की संख्या में किस प्रकार की वृद्धि हो सकती है, इसका आकलन भी किया जाए। उन्होंने समस्त एसडीएम को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन पर भीड़ का प्रबंधन सही तरीके से हो और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयार रहें। कलेक्टर ने यह भी कहा कि एसडीएम यह विस्तृत जानकारी एकत्रित करें कि उनके क्षेत्र में कितने लोग रोड या ट्रेन के माध्यम से कुंभ मेले में जा रहे हैं।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी एसडीएम को अपने सबडिवीज़न में यात्रा करने वाले यात्रियों की पूरी जानकारी एकत्रित करनी होगी, जिससे किसी भी प्रकार की स्थिति का सामना किया जा सके और समुचित प्रबंधन किया जा सके। जिले में आयोजित होने वाली 10वीं एवं 12वीं कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाओं की समस्त तैयारी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि परीक्षा कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही एवं लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बोर्ड परीक्षा के लिए संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी अपनी जिम्मेदारियो का निर्वहन पूरी समर्पणता से करें। समस्त अनुविभागी अधिकारी अपने-अपने अनुविभाग में बोर्ड परीक्षाओं के लिए चयनित शालाओं का भ्रमण कर समस्त आवश्यक व्यवस्थाओ के साथ, मंडल द्वारा जारी नियमों का अक्षरश: पालन करवाया जाना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि यह भी सुनिश्चित किया जाए की समस्त केंद्रों पर कलेक्टर प्रतिनिधि समयानुरूप उपस्थित हो जाएं। इस दौरान शिक्षा विभाग की टीम भी अलर्ट मोड पर रहे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि विभागीय योजना का नियमित रूप से रिव्यू करते रहें तथा विभागीय समितियां की समीक्षा बैठकें भी समय-समय पर आयोजित की जाती रहे तथा हर विभाग अपनी विभागीय योजनाओं में बेहतर स्थिति प्राप्त करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सामुदायिक वन अधिकार पट्टों के लिए सर्व संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर आगामी चार दिवसों में उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने समस्त अनुविभागीय अधिकारी, जनपद सीईओ एवं सीएमओ को निर्देश जारी किया कि आगामी दिवसो में पेयजल संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या ना उत्पन्न हो इसके लिए दूरस्थ टोल एवं ऐसे क्षेत्र जहां पानी की किल्लत का सामना किया जाता रहा हो उनका निरीक्षण कर जल संसाधन विभाग को जानकारी उपलब्ध करवा दें तथा वहां पर पानी की सुचारू सप्लाई बनाए जाने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रोटोकॉल संबंधी आवश्यक कार्यवाही पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। प्रोटोकॉल का पालन करने में किसी भी प्रकार का उल्लंघन ना हो यह सुनिश्चित करें तथा समस्त जिला अधिकारी अपने विभागीय कार्यक्रमों के लिए विधायकगणों, सांसदगणों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किए जाने में प्रोटोकॉल का पालन लिए जाने का भी ध्यान रखें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर डीके सिंह सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत सहित समस्त जिलाधिकारी सभा कक्ष में उपस्थित रहे।

पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 19 वीं किश्त हस्तांतरण कार्यक्रम संपन्न

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 19वीं किश्त के हस्तांतरण कार्यक्रम में देशभर के किसानों को भागलपुर, बिहार से संबोधित किया और 19वीं किश्त का डिजिटल हस्तांतरण किया। किश्त के हस्तांतरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण एवं किसानो के लिए चलायी जा रही योजनाओं से सम्बंधित तकनीकी व्याख्यान का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम में किया गया, जिसमे जिले के 126 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर के सदस्य अनिल जी बरोलिया द्वाराकी गई ततपश्चात कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संजीव कुमार गर्ग ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख कार्य एवं केंद्र में स्थित सभी उत्पाद एवं प्रदर्शन इकाई के बारे में जानकारी प्रदान की गई, साथ ही जिले में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रिय प्राकृतिक खेती मिशन एवं परम्परागत कृषि विकास योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कृषि विभाग से पधारे सहायक संचालक कृषि, जेएल कास्दे द्वारा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना एवं अन्य योजनाएं किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायक हैं। इसके बाद डॉ. देवीदास पटेल ने किसानों को जैविक कृषि के महत्व ओर इसके लाभों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए जैविक खेती अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया। साथ ही जैविक खेती एवं बीज उत्पादन प्रशिक्षण के लाभार्थी किसानो को मंच से सम्मानित कर प्रमाण पत्र वितरण किया गया एवं जिले के प्रगतिशिल किसानो को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विकास अधिकारी, बनखेडी पीडी जाटव, कृषि विस्तार अधिकारी बनखेडी, सुश्री पाण्डेय, सुश्री रूपल राजपूत, राहुल पहाड़े, मोहित साहू, अमिश बाथम, ऋतिक जी एवं पिपरिया विकासखंड के कृषि विस्तारअधिकारी उपस्तिथ रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

हरदा जिले के 57 हजार 473 किसानो के खाते में पहुंची राशि

हरदा, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागलपुर से पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं क़िस्त की राशि किसानों के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर की। हरदा में जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत, जिला पंचायत सदस्य ललित पटेल, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा, संयुक्त कलेक्टर संजीव कुमार नागू, एसडीएम कुमार शानू देवड़िया, उप संचालक कृषि संजय यादव एवं अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि और किसान भी कार्यक्रम में मौजूद थे। इस अवसर पर प्रोजेक्टर के माध्यम से भागलपुर मे आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किसानों ने देखा। संयुक्त कलेक्टर संजीव कुमार नागू ने बताया कि हरदा जिले के 57 हजार 473 किसानो के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत दो-दो हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की गई। इनमें हरदा तहसील के 10 हजार 227, खिरकिया तहसील के 9 हजार 662, टिमरनी तहसील के 9 हजार 241, रहटगांव तहसील के 11 हजार 270, सिराली तहसील के 9 हजार 618 और हंडिया तहसील के 7 हजार 455 किसान शामिल हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद आमला जिला-बैतूल (म.प्र.)

E-mail ID : cmoamla@mpurban.gov.in Office Ph.No-07147-285752

क्रमांक/लो.नि.शा./ई-निविदा/2025/190 आमला, दिनांक-21/02/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमाक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2025_UAD_ 404357 Dt: 21.02.2025	1- Construction work of C.C.Road in Gurju Bele from Tekda School ward no. 17 2- Construction work of R.C.C. Drain in Gurju Bele from Tekda School ward no. 17 3- Construction work of R.C.C. Drain in Bihariya Niwas from MES Railway line ward no. 14 on both sides. 4- Construction work of R.C.C. Drain in Pravin Malviya house from MES Railway line ward no. 13 at NPP Amla - under KAYAKALP 2.0	12 Month 1- Rs. 15,68,521/- 2- Rs. 5,12,887/- 3- Rs. 37,16,046/- 4- Rs. 6,43,721/- **Total- 64,41,175/-**	1- Rs. 10,000/- 2-Rs. 48,400/-	Dt : 23.03. 2025 Time: 17:30 pm

नोट:-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in/ की वेबसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। उक्त निविदा सूचना निकाय की वेबसाईट http://npamla.com/ पर भी देखी जा सकती है।

(श्री नितिन गाडरे)
अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद आमला

(श्री किशोर, माथनकर)
उपाध्यक्ष
नगरपालिका परिषद आमला

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
आमला

देशबन्धु

नर्मदापुरम, मंगलवार 25 फरवरी 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मोटापे के खिलाफ़ मोदी का अभियान

एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, उसकी बानगी आकाशवाणी पर हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले उनके कार्यक्रम 'मन की बात' की ताज़ा कड़ी में देखने को मिली। मोदी ने बताया कि विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं और भारत में हर आठवां नागरिक मोटे लोगों की श्रेणी में आता है। यह समस्या बच्चों में भी बढ़ रही है और हाल के वर्षों में मोटापे की बीमारी चार गुना बढ़ गयी है। मोटापे के कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी होने वाली कई बीमारियों का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों को आगाह किया और इनसे बचने की सलाह दी। इसके लिये पीएम ने तेल की खपत 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह देशवासियों से तो किया ही, दस नामी-गिरामी हस्तियों को इस अभियान से जोड़ा जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारम्भिक व्यक्ति होंगे।

जिस प्रकार से व्यायाम का नाम लेने मात्र से, साल में एक बार योग दिवस मना लेने अथवा जिम की सदस्यता लेने मात्र से कोई स्वस्थ और छरहरा नहीं हो जाता, वैसे ही मोटापे की बीमारी का जिक्र करने मात्र से किसी का वजन घट जाने वाला नहीं है, लेकिन मोदी की यह फितरत है; और उनकी गलतफ़हमी भी कि उनके उल्लेख करने मात्र से किसी समस्या का निदान हो जायेगा तथा लोग उनके रेडियो कार्यक्रम के पूरा होते ही वजन घटाने में लग जायेंगे। अगर ऐसा होता तो आज कम से कम पूरा भारत रोजाना नियमित तौर पर योगाभ्यास करता हुआ दिखता जिसकी शुरुआत स्वयं मोदीजी के प्रयासों से हुई थी। उन्हीं के आग्रह से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को निर्धारित किया था। हर वर्ष योग दिवस के अवसर पर जिस प्रकार से कार्यक्रम होते हैं, उससे साफ दिखता है कि एक दशक की इस कथित योग यात्रा के बाद भी ज्यादातर भारतीय योगासनों से अपरिचित हैं और उन्हें करने के नितांत नाकाबिल। विशेषकर, इन कार्यक्रमों में शामिल होने वाले नेता, मंत्री, अधिकारी, उद्योगपति, व्यवसायी आदि जो शोशेबाजी के चलते योग के कार्यक्रमों में शामिल तो हो जाते हैं लेकिन उनके थोड़ा सा हाथ-पांव हिलाते ही पता चल जाता है कि यह उनकी दिनचर्या का हिस्सा नहीं है।

इसमें कोई शक नहीं कि मोटापा एक वैश्विक समस्या है और भारतीयों में भी इससे प्रभावितों की संख्या में बड़ा इज़ाफ़ा हुआ है। ऐसा भी नहीं कि मोदी ने कोई गलत विषय उठाया हो। यहां सिर्फ ध्यान में लाया जाना ज़रूरी है कि इवेंट बनाने से किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो जाता। यदि मोटापे को खत्म करने के प्रति प्रधानमंत्री वाकई बहुत गम्भीर हैं तो उन्हें इसे लेकर विशेषज्ञों तथा चिकित्सा वैज्ञानिकों से पहले बात कर एक ठोस योजना लानी चाहिये। यह कम से कम रेडियो कार्यक्रम का हिस्सा तो नहीं हो सकता क्योंकि इस प्रसारण को लोग अब राजनीतिक नज़रिये से देखने लगे हैं। जिस प्रकार से इसे सुनने के लिये उनकी भारतीय जनता पार्टी व सरकारें श्रवण कार्यक्रम आयोजित करती हैं तथा बाद में उसका प्रकाशन व प्रसारण एक सुनियोजित तरीके से मोदी की छवि निखारने के लिये होता है, उससे लोगों के मन में वितृष्णा सी हो गयी है। तमाम विषयों पर किसी विशेषज्ञ सी राय देने वाले मोदी के ये प्रवचननुमा उद्बोधन लोगों पर कोई असर नहीं डालते। यदि इन रेडियो कार्यक्रमों में इतना ही दम होता तो आज भारत की सारी समस्याओं को रेडियो प्रसारणों के जरिये उखाड़ कर फेंका जा चुका होता।

बहरहाल, मोटापे का सम्बन्ध केवल तेल का प्रयोग नहीं वरन जीवन शैली से और आनुवांशिकी दोष से भी है। बेशक, तेल भी एक कारण है लेकिन समस्या केवल 10 प्रतिशत मात्रा घटाने से समाप्त नहीं होगी। पहली बात तो है लोगों के जीवन स्तर को सुधारना जिसके अंतर्गत खान-पान की गुणवत्ता सुधारनी प्राथमिक ज़रूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार एक ही तरह का तेल लम्बे समय तक इस्तेमाल में लाना गलत है। मात्रा घटाने के साथ ही अलग-अलग तरह के तेलों का इस्तेमाल होना आदर्श माना जाता है लेकिन जिस देश में 85 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देना राष्ट्रीय गर्व का विषय हो तथा उसका उल्लेख एक महान उपलब्धि के रूप में होता हो, वहां इन लोगों के पास खान-पान सम्बन्धी कितने विकल्प हो सकते हैं, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। खुद मोदी के आने के बाद सभी तरह के खाद्य पदार्थों की कीमत बेतरह बढ़ी है जिनमें तेल भी शामिल है। आज एक आम भारतीय को सबसे सस्ता तेल खरीदना पड़ता है, यह जानते हुए भी कि उसमें मिलावट है। घटिया और महंगा सामान बनाने का लाइसेंस आज उद्योगपतियों व व्यवसायियों को भाजपा के पक्ष में इलेक्टोरल बॉन्ड्स खरीदकर या चंदा देकर मिल ही चुका है।

अच्छे खान-पान का सम्बन्ध लोगों की आय से भी है। जब तक लोगों के पास आय के अच्छे व स्थायी स्रोत न होंगे, भोजन सम्बन्धी ये प्रयोग लोगों तक न तो पहुंचेंगे, न ही वे आजमाये जा सकेंगे। अलबत्ता कुछ खाये-पिये अघाये लोग इस तरह के प्रयोग पहले से करते आ रहे हैं जिसके अंतर्गत वे रिफाइंड शक्कर व सफेद चावल की जगह क्रमशः ब्राउन शूगर व ब्राउन राइस खाते हैं, सफेद की बजाये सेंधा नमक खाते हैं और बेहद महंगा जैतून तेल खाते हैं। देश के नागरिकों की वास्तविक स्थिति से नितांत अनभिज्ञ मोदीजी समझते हैं कि 'मन की बात' से देश से मोटापे की समस्या छूमंतर हो जायेगी। भला ऐसा कहीं होता है क्या?

उर्दू से सच्ची नफरत और हिंदी से प्रेम का स्वांग

योगी आदित्यनाथ ने ऐन विधानसभा में उर्दू के खिलाफ अपनी नफरत की उल्टी से, मुस्लिमविरोधी नफरत के अपने इजहार को, एक सीढ़ी और ऊंचा कर दिया। मुख्यमंत्री योगी ने शुरूआत तो की उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी, सपा पर यह कहकर हमला करने से कि, 'समाजवादियों का चरित्र दोहरा हो चुका है, ये अपने बच्चों को पढ़ाएंगे इंग्लिश स्कूल में और दूसरों के बच्चों के लिए कहेंगे उर्दू पढ़ाओ'। उर्दू का नाम आने भर की देर थी, वह फट पड़े कि ये तो 'उसको मौलवी बनाना चाहते हैं, कठमुल्लापन की ओर देश को ले जाना चाहते हैं' आदि, आदि।

प्रसंग था, उत्तर प्रदेश में विधायिका की कार्रवाई में कई क्षेत्रीय भाषाओं के शामिल किए जाने के योगी सरकार के फैसले का। जैसा कि इस सरकार के रुख को देखते हुए आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता था, विधायिका की कार्रवाई में शामिल किए जाने का यह फैसला, उर्दू को छेककर चलता है। स्वाभाविक रूप से जैसाकि अपेक्षित था, विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता, समाजवादी पार्टी के माता प्रसाद पांडेय ने उर्दू के साथ इस सौतेले सुलूक पर विरोध जताया। उनका सुझाव था कि सदन में आधिकारिक रूप से मान्यताप्राप्त भाषाओं में अंग्रेजी की जगह उर्दू को कर दिया जाए। उर्दू उत्तर प्रदेश की दूसरी राजकीय भाषा भी है।

बेशक, सपा नेता के इस तर्क पर तो बहस हो सकती है कि 'अंग्रेजी की जरूरत नहीं है' और उसकी जगह पर उर्दू को रखा जाए, जिस पर मुख्यमंत्री योगी भड़क उठे। लेकिन, योगी का विस्फोट उर्दू को लाने के लिए अंग्रेजी को हटाए जाने के सुझाव पर उतना नहीं था, जितना उर्दू को शामिल किए जाने की मांग पर था। अगर उनकी प्रतिक्रिया के पीछे मुख्यत: विधायी काम की भाषा के रूप में अंग्रेजी को बनाए रखने की चिंता होती, तो मुख्यमंत्री आसानी से अंग्रेजी को बनाए रखते हुए भी, उर्दू के शामिल किए जाने की मांग को मंजूर कर सकते थे। आखिरकार, विधायी कार्य के लिए मान्यता प्राप्त भाषाओं की कोई पहले तयशुदा संख्या तो है नहीं कि अंग्रेजी को हटाकर ही उर्दू को जगह दी जा सकती हो। बात इससे उल्टी थी। योगी सरकार सोच-समझकर, क्षेत्रीय भाषाओं के इस समावेश के जरिए, उर्दू की उपेक्षा करने का संदेश देना चाहती थी और इसीलिए, मुख्यमंत्री ने सीधे उर्दू भाषा और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक उपयोगिता पर ही हमला बोल दिया।

योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह उर्दू की पढ़ाई-लिखाई को मौलवी बनाने तक सीमित करने की ही कोशिश नहीं की है बल्कि 'कठमुल्लापन की ओर देश को ले जाना चाहते हैं' की दिशा में अपने हमले को आगे भी बढ़ाया है, उसमें नया कुछ भी नहीं है। उत्तर प्रदेश की भाषा की राजनीति में भाजपा और उसके पूर्ववर्ती जनसंघ, हमेशा से उर्दू का इसके बावजूद विरोध करते आए हैं उर्दू, इसी प्रदेश में जन्मी यानी सिर्फ एक भारतीय भाषा ही नहीं है बल्कि उत्तर प्रदेश की भी अपनी भाषा है। आरएसएस-भाजपा की सांप्रदायिक भाषायी राजनीति, ब्रिटिश हुकूमत के जमाने से उर्दू को एक ओर तो मुसलमानों तक सीमित करने की कोशिश करती आयी है और दूसरी ओर, उसे शिक्षा-संस्कृति के विकास के लिए अनुपयोगी करार देकर, खत्म ही करने की कोशिश करती आयी है। यह एक प्रकार से वैसा ही तर्क है, जिस तरह का तर्क बाबरी मस्जिद को ढहाने के लिए ठीक इन्हीं ताकतों द्वारा प्रचारित किया गया था—वह तो मस्जिद थी ही नहीं, इसलिए उसे ढहाया जा सकता था। उसी तरह, उर्दू की कोई सामाजिक-सांस्कृतिक उपयोगिता ही नहीं है, इसलिए उसे उपेक्षा के जरिए मारने में कुछ भी अनुचित नहीं है। योगी आदित्यनाथ का उर्दू को मौलवी बनने और कठमुल्लापन बढ़ाने का समानार्थी बना देना, ठीक इसी प्रयास का हिस्सा है।

राजेंद्र शर्मा

> **वे उचित ही यह सवाल भी उठाते हैं कि कथित त्रिभाषा फार्मूले में देश के विशाल हिंदीभाषी क्षेत्र में व्यवहार में क्या सचमुच कहीं भी हिंदी और अंग्रेजी के अलावा किसी तीसरी भाषा पर अमल हो रहा है। सभी जानते हैं कि किस तरह हिंदी-उर्दू भाषी क्षेत्र के बड़े हिस्से में, तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत के चयन के नाम पर, इसे व्यवहार में दो-भाषा फार्मूला बनाकर ही लागू किया जा रहा है।**

स्वाभाविक रूप से नेता प्रतिपक्ष, माता प्रसाद पांडे ने मुख्यमंत्री के विस्फोट पर आपत्ति की। खबरों के अनुसार उन्होंने कहा कि, 'मुख्यमंत्री ने कहा है कि उर्दू कठमुल्ला पैदा करती है। मैं इस शब्द पर आपत्ति करता हूं और पूछना चाहता हूं कि क्या उर्दू के बड़े शायर, फिराक गोरखपुरी भी कठमुल्ला थे या उर्दू का ज्ञान रखने वाले प्रख्यात उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद भी कठमुल्ला थे? या विश्वविद्यालय में जो उर्दू विभाग खोला गया है, वहां पढ़ने वाले भी कठमुल्ला हैं क्या?' लेकिन, इन तर्कों का मुख्यमंत्री योगी पर कोई असर पड़ा नहीं लगता है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि योगी का रुख किसी नासमझी या सचाइयों की नाजानकारी का नतीजा नहीं है। वह तो सोच-समझकर, अपनी नफरत की राजनीति के हिस्से के तौर पर अपनाया गया रुख है। इसीलिए, उन्हें उर्दू के नाम से सिर्फ मौलवी बनना और देश को कठमुल्ला बनाना दिखाई देता है। यह दूसरी बात है कि यह सबसे ज्यादा तो खुद योगी की शिक्षा पर ही लागू होता है, जबकि उनकी शिक्षा कम से कम उर्दू में तो नहीं ही हुई होगी।

संघ-भाजपा की सांप्रदायिक भाषायी राजनीति की जड़ में ही, बहिष्करण या एक्सक्लूजन है, जो भाषाओं के स्वाभाविक व्यवहार में निहित समावेशन के खिलाफ जाता है। इसीलिए, वे अंग्रेजी राज द्वारा खड़े किए गए हिंदी और उर्दू के एक झूठे द्वैध या बाइनरी के न सिर्फ योग्य उत्तराधिकारी बने रहे हैं बल्कि उन्होंने उसे और आगे बढ़ाया है, जहां हिंदी के हित के नाम पर, उर्दू का गला घोंटने की राजनीति की जाती है, जिसका सबूत आदित्यनाथ का रुख है। लेकिन, कथित राष्ट्रीय भाषा को छोड़कर अन्य भाषाओं और वास्तव में भाषा-संस्कृतियों का इस तरह 'पराया' किया जाना, उर्दू के मामले में सांप्रदायिक आग्रहों के चलते सबसे उग्र भले हो, लेकिन उसी तक सीमित नहीं है। वास्तव में, कम या ज्यादा, हिंदी को छोड़कर सभी भारतीय भाषाओं के साथ, इस सांप्रदायिक भाषायी राजनीति का व्यवहार में यही सलूक है।

यह कोई संयोग ही नहीं है कि ठीक उसी समय, जब योगी आदित्यनाथ, उर्दू पर उसे कठमुल्लापन की भाषा करार देते हुए हमला बोल रहे थे, तभी मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान ने दक्षिण में तमिलनाडु की सरकार के खिलाफ, कथित राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उससे जुड़े कई निर्णयों को थोपने के लिए, बाकायदा युद्ध छेड़ रखा था। इस युद्ध में केंद्र का मुख्य हथियार है, राज्य सरकार को बदनाम करने वाले प्रचार के अलावा, शिक्षा के लिए केंद्रीय फंड रोकने की उसकी धमकी। राज्य पर त्रिभाषा फार्मूला थोपा जाना, इस युद्ध के मुख्य लक्ष्यों में से एक है। हैरानी की बात नहीं है कि तमिलनाडु की सरकार और आम तौर पर दक्षिण भारत का बड़ा हिस्सा, आज की परिस्थितियों में इन भाषायी फार्मूलों को हिंदी थोपने की कोशिशों के तौर पर ही देखता है।

वे उचित ही यह सवाल भी उठाते हैं कि कथित त्रिभाषा फार्मूले में देश के विशाल हिंदीभाषी क्षेत्र में व्यवहार में क्या सचमुच कहीं भी हिंदी और अंग्रेजी के अलावा किसी तीसरी भाषा पर अमल हो रहा है। सभी जानते हैं कि किस तरह हिंदी-उर्दू भाषी क्षेत्र के बड़े हिस्से में, तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत के चयन के नाम पर, इसे व्यवहार में दो-भाषा फार्मूला बनाकर ही लागू किया जा रहा है। यहां संस्कृत का उपयोग, अन्य भारतीय भाषाओं की हकमारी करने के लिए शिखंडी के तौर पर किया जा रहा है, जबकि वास्तव में अगर किसी भारतीय भाषा को कठमुल्लापन की भाषा कहा जा सकता है, तो वह संस्कृत ही है।

इसके पीछे सांप्रदायिक राजनीति की वह बुनियादी कठमुल्लापन भरी समझ है, जो एकरूपता को राष्ट्रीय एकता के साधन के रूप में पेश करती है। लेकिन, सच्चाई इससे ठीक उल्टी है। हमारे जैसे धर्म, भाषा, संस्कृति की समृद्ध बहुलता वाले समाज में, एकरूपता थोपने की इस तरह की कोशिशें, राष्ट्रीय एकीकरण के बजाए बिखराव का ही साधन बनती हैं। मोदी राज में हम ठीक यही होता देख रहे हैं। हालांकि, रस्म-अदायगी के तौर पर वर्तमान निजाम को भी बार-बार बहुलता में विश्वास होने की कसमें खानी पड़ती हैं, लेकिन उसने एकरूपता थोपने की और केंद्रीयकरण की जिन प्रक्रियाओं को छेड़ दिया है, राष्ट्रीय एकीकरण के सूत्रों को छिन्न-भिन्न करने में ही लगी हुई हैं।

इसी के हिस्से के तौर पर भाषा की सांप्रदायिक राजनीति, एक वर्चस्वशाली भाषा के रूप में हिंदी को थोपने के जरिए, अन्य सभी भारतीय भाषाओं के साथ उसके रिश्तों में नफरत रोप रही है, जबकि भाषाओं के स्वाभाविक रिश्ते, परस्पर लेन-देन से, सभी को समृद्ध बनाने वाले रिश्ते होते हैं, न कि परस्पर द्वेष के रिश्ते। कर्नाटक और महाराष्ट्र की सीमा पर पड़ते बेलगाम के इलाके में, जहां लोग दोनों भाषाओं के मेल से मिली एक मिश्रित भाषा को बरतते आए हैं, कन्नड़-बनाम मराठी के टकराव की भाषायी राजनीति जो कर रही है, भाषाओं के रिश्तों में नफरतें रोपे जाने का ही नमूना है। इसका हिंदी की वर्चस्वशाली स्थिति कायम किए जाने से रिश्ता यह है कि हिंदी की इस हैसियत का दावा, भाषाओं के आपसी व्यवहार में इस वर्चस्ववादी मॉडल को ही स्थापित करता है।

अंत में हिंदी और उर्दू के रिश्ते की बात। मरहूम शायर मुनव्वर राना ने क्या खूब कहा है:

लिपट जाता हूं मां से और मौसी मुस्कुराती है
मैं उर्दू में गजल कहता हूं हिंदी मुस्कुराती है।

उर्दू और हिंदी, जुड़वां बहनें हैं। अब हम पर है कि दोनों बहनें साथ-साथ मुस्कुराती रहती हैं या एक को मारने के चक्कर में दोनों मार दी जाती हैं। आदित्यनाथ का रास्ता स्पष्ट है। और आपका रास्ता?

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

क्या यूएसएआईडी ने अन्ना हजारे आंदोलन को धन दिया जिसके कारण यूपीए सरकार गिरी?

■ **गिरीश लिंगन्ना**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह दावा करके नई दिल्ली में खलबली मचा दी है कि भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने वोटर टर्नआऊट के लिए 21 मिलियन डॉलर की अमेरिकी सहायता दी थी। प्रकारान्तर से कहा गया कि उस धन का इस्तेमाल भारत के पिछले लोकसभा चुनाव 2024 को प्रभावित करने के लिए किया गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के आरोप लगाये हैं।

ध्यान रहे कि यूएसएआईडी एक स्वायत्त अमेरिकी सरकारी एजेंसी है, जो विदेशी नागरिक सहायता और विकास सहायता के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है।

2014 से सरकार के आलोचकों ने अक्सर दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अल्पसंख्यकों और निचली जाति के समुदायों के लिए खतरा हैं। यह दृष्टिकोण यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) की रिपोर्टों में भी दोहराया गया है, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे भाजपा नेताओं का भी उल्लेख किया गया है।

> **भारत में यूएसएआईडी की भूमिका - सरकार और नागरिक समाज दोनों में- पीएम मोदी को हटाने की कोशिश करने के दावों के अलावा, राजनीतिक विवाद का कारण बनी है। सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने एक-दूसरे पर विदेशी प्रभावों के साथ काम करने का आरोप लगाया है। दोनों दलों ने यूएसएआईडी की गतिविधियों की जांच की मांग की है।**

यूएसएआईडी और भारत के बीच साझेदारी 1950 के दशक से चली आ रही है जब अमेरिका ने भारत के खाद्य कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए खाद्य सहायता प्रदान करना शुरू किया था। यह सहायता कई वर्षों तक जारी रही और आखिरकार 2012 में समाप्त हो गयी। 2021 तक यूएसएआईडी ने भारत के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) को वित्तपोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उसे भारतीय परिवारों के बारे में महत्वपूर्ण डेटा तक पहुंच मिली। 2011 में, भारत के चुनाव आयोग ने चुनावों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और अपनाने के लिए यूएसएआईडी-समर्थित इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के साथ भागीदारी की।

2014 सेयूएसएआईडी ने भारत के साथ कई पहलों में भागीदारी की है, जिसमें कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देना और भारतीय रेलवे को शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की दिशा में काम करने में मदद करना शामिल है। 2023 मेंयूएसएआईडी ने भारत को लगभग 175.71 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण प्रदान किया। इसमें लोकतंत्र, मानवाधिकार और शासन से संबंधित कार्यक्रमों के लिए 7.43 मिलियन डॉलर शामिल थे, जैसा कि यूएसस्पेन्डिंग द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है।

भारत में यूएसएआईडी की भूमिका - सरकार और नागरिक समाज दोनों में- पीएम मोदी को हटाने की कोशिश करने के दावों के अलावा, राजनीतिक विवाद का कारण बनी है। सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने एक-दूसरे पर विदेशी प्रभावों के साथ काम करने का आरोप लगाया है। दोनों दलों ने यूएसएआईडी की गतिविधियों की जांच की मांग की है। ट्रम्प के बयान के एक दिन बाद गुरुवार (20 फरवरी) को कांग्रेस ने इस मुद्दे पर एक 'श्वेत पत्र' की भी मांग की।

थिंक टैंक यूसेनस फाउंडेशन के सीईओ ने स्पुतनिक को बताया कि 15 भारतीय सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज समूहों और थिंक टैंकों के साथ यूएसएआईडी के संबंधों ने भारत की खुली और लोकतांत्रिक प्रणाली पर विदेशी प्रभाव के संभावित जोखिम को उजागर किया है। सीईओ ने बताया कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत भारतीय संगठन विदेशी समूहों के साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, 'हस्तक्षेप' किसे माना जाये, यह एक जटिल और व्यापक रूप से बहस का विषय है। सीईओ ने कहा, 'हमें यह पता लगाने की जरूरत है कि मतदाताओं के मतदान को प्रभावित करने के लिए उन्होंने किन राजनेताओं, सामुदायिक नेताओं या मीडिया आउटलेट से संपर्क किया होगा। यह संभव है कि यूएसएआईडी का समर्थन प्राप्त करने वाले लोग सोशल मीडिया और आमने-सामने की बैठकों के माध्यम से भारतीय मतदाताओं तक अपना एजेंडा फैला सकते हैं।' उन्होंने भारत की नौकरशाही में छिपे विदेशी प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की और बताया कि अमेरिका में परिवार वाले अधिकारियों पर दबाव या ब्लैकमेल का खतरा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशिक्षण प्राप्त करने से वे इस तरह के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। सीईओ ने सुझाव दिया कि इस बात की थोड़ी संभावना है कि डीप स्टेट और यूएसएआईडी-2014 के चुनाव से पहले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का समर्थन करके पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार को गिराने में शामिल थे। थिंक टैंक प्रमुख ने सुझाव दिया कि डीप स्टेट को मोदी सरकार से वह समर्थन नहीं मिला जिसकी उसे उम्मीद थी। परिणामस्वरूप, इसने अपना दृष्टिकोण बदल दिया होगा और 2019 तथा 2024 के चुनावों में भाजपा को हटाने की दिशा में काम किया होगा।

हालांकि, यह दावा करने वाली रिपोर्टें कि भारत को चुनावों में मतदाता मतदान को प्रभावित करने के लिए यूएसएआईडी से 21 मिलियन डॉलर मिले, झूठी साबित हुई है। इंडियन एक्सप्रेस ने इस दावे की जांच की और पाया कि भारत को ऐसा कोई फंड नहीं दिया गया था। इसके बजाय, यूएसएआईडी की 'चुनाव' श्रेणी के तहत बांग्लादेश को कुल 23.6 मिलियन डॉलर आवंटित किये गये थे।

इस तथ्य की पुष्टि इंडिया टुडे की डेटा इंटेलिजेंस यूनिट ने की, जिसने स्वतंत्र रूप से विवरणों की पुष्टि की। उनके निष्कर्षों के अनुसार, बांग्लादेश को दी गयी कुल राशि में से, 18.1 मिलियन डॉलर कंसोर्टियम फॉर इलेक्शन्स एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग (साईपीपीएस) को प्रदान किये गये, जो एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का समर्थन करता है। शेष धनराशि चुनावी सहायता कार्यक्रमों में शामिल अन्य एजेंसियों के बीच वितरित की गयी। सरल शब्दों में, यह दावा कि भारत को अपने चुनावों के लिए यूएसएआईडी से धन मिला, गलत है। वास्तविक निधि बांग्लादेश में चुनाव संबंधी पहलों के लिए निर्देशित की गयी थी, न कि भारत के लिए।

ललित सुरजन की कलम से

राजा और विदूषक

'भारतीय रंगमंच में विदूषक एक खास महत्व रखता है। चाहे संस्कृत के क्लासिक नाटक हों या हिन्दी फिल्में या फिर लोकनाटय ही क्यों न हो, विदूषक के बिना कहीं भी काम नहीं चलता। ये विदूषक कभी नाटक में विषय की गंभीरता से उपजी बेचैनी का शमन करते हैं तो कभी खुद ही हल्के-फुल्के ढंग से गहरे तक वार करने वाली बात कह जाते हैं।'

'जो रंगमंच पर है वही जीवन में भी है। भारतीय राजनीति का लगभग तीन हजार साल का इतिहास बतलाता है कि कोई भी राजदरबार विदूषक के बिना पूरा नहीं होता। सारा राजकाज निपटाने के बाद जब सभा उठ जाती है और बाकी दरबारी घर लौट जाते हैं तब भी विदूषक राजा के साथ ही रहता है। उसकी पहुंच अक्सर अंतःपुर तक भी होती है। शासन के जटिल प्रश्नों को सुलझाते-सुलझाते राजा के थके मन को बहलाने में विदूषक की बुध्दि ही काम आती है। जब बादशाह अकबर का नाम लिया जाता है तो उनके साथ बीरबल का नाम अपने आप ध्यान आ जाता है। राजा कृष्णदेव राय के दरबार की कल्पना बिना तेनालीराम के नहीं की जा सकती। यह शोध का विषय हो सकता है कि राज्य में बड़े-बड़े विद्वानों के होते हुए विदूषक को ही क्यों इतना महत्व मिलता है। वह राजा का मित्र, सखा और विश्वस्त होता है तथा वक्त आने पर ऐसी बुध्दिमता का परिचय देता है कि त्रिकालदर्शी पंडित भी दांतों के नीचे उंगली दबाने पर मजबूर हो जाएं।'

(देशबन्धु में 13 अगस्त 2009 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/06/blog-post_15.html

पावन प्रसंग

जैसी श्रद्धा वैसा व्यक्तित्व

भावनाएं हमारे, हम सबके व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। इन्हीं से हमारी जीवन संरचना, संबंध एवं व्यक्तित्व की उत्कृष्टता अथवा निकृष्टता का परिचय मिलता है। तभी तो डेनियल गोलमैन जैसे विचारक ने भावनात्मक क्षमता की हमारे व्यक्तित्व की चुंबकीय ऊर्जा के रूप में परिभाषित किया है। पश्चिमी दुनिया जिस सत्य को आज समझने एवं अपनाने का प्रयास कर रही है, उसे भारतीय विचारकों ने युगों पहले समझ लिया था। यही कारण है कि उन्होंने संबंधों की साज संभाल सामूहिकता सहजीवन की संवेदना पर जोर दिया। हमारे साहित्य ओत प्रोत है। वैदिक साहित्य में 'संगछ्ध्वं संवदध्वं' की अनुगूंज सुनाई देती है? योगेश्वर, श्रीकृष्ण ने भी श्रीमदभगवद्गीता के गायन में इसी सत्य का उद्घोष किया है और वे गीता के 17वें अध्याय के तीसरे श्लोक में कहते हैं-

सत्वानुरूपा सर्वस्य श्रद्धा भवति भारत।
श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः।।

भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि सभी प्रकार के मनुष्यों को स्वाभाविक उनके अंतःकरण के अनुरूप होती है; क्योंकि मनुष्य श्रद्धामय है और यह श्रद्धा तीन तरह की होती है- सात्विक श्रद्धा. राजसी श्रद्धा व तामसिक श्रद्धा। अतः अंतःकरण भी तीन प्रकार का होता है- सात्विक, राजसिक, व तामसिक अंतःकरण। सात्विक अंतःकरण वाले व्यक्ति की श्रद्धा सात्विक होती है, राजसिक अंतःकरण वाले व्यक्ति की श्रद्धा राजसिक और तामसिक वाले व्यक्ति की श्रद्धा तामसिक होती है। भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार जो व्यक्ति जैसी श्रद्धा वाला है, वही उसका स्वरूप है अर्थात वही उसकी वास्तविक स्थिति है और उसी के अनुसार उसका व्यक्तित्व है।

मनुष्य की श्रद्धा ही उसकी असली पहचान है, उसके व्यक्तित्व का आधार है,जिस पर उसके जीवन का ताना-बाना बुना हुआ है। अगर मनुष्य की श्रद्धा आलस्य में हैं, तब उस व्यक्ति की जीवन कथा में उसके आलसीपन की कथा होगी। अगर श्रद्धा रजस की है, महत्वाकांक्षा व दौड़ की है, तब उसका जीवन अपने दौड़भाग की कहानी कहेगा, और अगर मनुष्य की श्रद्धा सत्व की है, तो उसके जीवन में एक सुगंध होगी-शांति व प्रसन्नता की। इस तरह मनुष्य की जैसी श्रद्धा होगी, उसका जीवन भी उसी के अनुसार होगा। श्रद्धा यानी हमारी वो आदतें जिन्हें हम इस जन्म में ही नहीं,बल्कि पिछले जन्मों से भी दोहराते आ रहे हैं और अगर हम इन्हें सुधारेंगे नहीं, बदलेंगे नहीं,तो हर जन्म में उसे दोहराते रहेंगे और एक ही गलती को बार-बार करते रहेंगे। इसी कारण भगवान बुद्ध व भगवान महावीर ने अपने साधकों के लिए एक अनूठा प्रयोग खोजा था। वे तब तक किसी व्यक्ति को साधना में नहीं ले जाते थे, जब तक उसको पिछले जन्मों का स्मरण न करा दे। इसलिए हमें अपनी एक बार बुद्ध से किसी व्यक्ति ने इसके बारे में पूछा- पिछले जनम का स्मरण करने से क्या प्रयोजन है? मैं तो अभी शांत होना चाहता हूं, उसका मुझे कोई रास्ता बताइए। तब बुद्ध ने कहा- मन के शांत होने की यह बात तू पिछले जनमों में किन्हीं और बुद्धों से कह चुका है कि मैं शांत होना चाहता हूं, मुझे कोई रास्ता बताइए और रास्ते तुझे पिछले जनमों में भी बताए गए हैं, लेकिन कभी तूने उनका पालन नहीं किया। तो तू मेरा समय नष्ट मत कर। मैं तुझे रास्ता बताऊंगा और तू उनका पालन नहीं करेगा; तू सिर्फ अपनी आदत दोहरा रहा है। इसलिए पहले मैं तुझे तेरे पिछले जनमों की याद दिलाना चाहता हूं, पहले तू अुपने दो-चार जन्मों का स्मरण कर ले ताकि तुझे यह स्मरण हो जाए कि उसी वर्तुल को कहीं फिर से तो नहीं दोहरा रहा है। अब उस आदमी को कुछ समझ में आया।

इसलिए हमें अपनी श्रद्धा को ठीक से पहचानना जरूरी है, क्योंकि न पहचानने से जीवन में बड़ी जटिलताएं बढ़ेगी। जैसे-जो व्यक्ति आलसी है वह सुखों को पाने की लालसा रखता है, लेकिन सुख राजसी लोगों को मिलते हैं, आलसी को नहीं। जो राजसी प्रवृत्ति के होते हैं बहुत दौड़धूप करते हैं वे जीवन में शांति चाहते हैं; जबकि शांति तो सात्विक व्यक्तित्वों को ही मिलती है। अतः जीवन में एक उलटबांसी देखने को मिलती है। जो मनुष्य तमोगुण प्रधान है, वो सुख ऐश्वर्य की सुविधाएं चाहते हैं, जो रजोगुण धर्म अपनाने से उपलब्ध होती है।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

महाशिवरात्रि से पूर्व महाकुम्भ में स्नान करने पहुंच रहे अनेक राज्यों से श्रद्धालु

श्रद्धालुओ की रेलवे स्टेशन पर भीड़ दिखाई दे रही है। महाशिवरात्रि को पवित्र स्नान की इच्छा को फलीभूत करने श्रद्धालू कई राज्यों से खिंचे चले आ रहे है। महाकुम्भ अंतिम चरण में है,लेकिन श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। वैकल्पिक व्यवस्था के लिए भी तैयार है। सोमवार को कई स्टेशनों पर महाकुम्भ में स्नान करने वालो की काफी भीड़ दिखाई दी। रोडवेज, स्टेशनों पर भी भारी भीड़ है। रेलवे से भिड़ से बचने के लिए बसों से महाकुम्भ पहुंचने के लिए लोगों की आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। प्रयागराज रायबरेली से होते हुए शक्तिनगर के लिए रवाना होने वाले यात्रियों की भारी भीड़ जमा हुई है। उधर,राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात से भी यात्रीगण पहुंच रहे हैं। महाशिवरात्रि पर पवित्र स्नान कर अपने को धन्य करने लोग पहुंच रहे है। महाशिवरात्रि को अंतिम दौर में महाकुम्भ का स्नान कर यात्री वापस लौटेंगे। लखनऊ से 465 बसों की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। रविवार और सोमवार को भीड़ बढ़ने के कारण अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। चारबाग पर भारी भीड़ देखने को मिली। आलमबाग टर्मिनल पर यात्रियों की भारी भीड़ रही। बुधवार तक विशेष प्रबंध किया गया है ताकि लोगों को असुविधा न हो। प्रशासन लगा हुआ है। अंतिम दिनों में कोई भी व्यवस्था भी नहीं बिगड़े, उसके लिए भारी व्यवस्था की गई है। ट्रेन के फर्श, गेट तो गैलरी में बैठ कर यात्रा करके लोग महाशिवरात्रि का बड़ा स्नान करने पहुंच रहे है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

पब्लिक में दिए बयान का कोई महत्व नहीं यदि नेताओं में समन्वय न हो

राहुल गांधी द्वारा रायबरेली में कहा कि मायावती इंडिया ब्लॉक के साथ होती तब भाजपा नहीं जीत पाती. इसी वक्तव्य को शिवसेना नेता संजय रावत ने समर्थन किया है। इस वक्त व्य के बाद बसपा अध्यक्ष ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस जनता को बरगलाना बंद करें। यदि निष्पक्ष आकलन किया जाए तो 2024 में लोकसभा चुनाव के समय नीतीश कुमार ने सूत्रधार की भूमिका निभाते हुए बीजेपी को हराने का बीड़ा उठाया था। उन्होंने देश भ्रमण करते हुए राजनीति नेताओं से मुलाकात की थी, लेकिन नीतीश कुमार ने मायावती से मुलाकात नहीं की थी। संभवत: यह पहले से तय था कि यदि समाजवादी पार्टी को इंडिया गठबंधन में लिया जाएगा। इस बात की पुष्टि सपा नेता रामगोपाल यादव, लालू प्रसाद यादव और शरद यादव के वक्तव्य से हो जाती है। हालांकि कांग्रेस ने कोशिश की थी कि मायावती को भी इंडिया गठबंधन में लिया जाए. लेकिन सपा के द्वारा कड़े विरोध के बाद इस पर काम नहीं किया गया है। यह सब विदित है कि यदि घाट रोड किया जाता है तो व्हिस्पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता है. पब्लिक में दिए बयान का कोई महत्व नहीं है यदि नेताओं में संवाद और समन्वय न हो। इसलिए यदि राहुल गांधी चाहते हैं कि मायावती से उनको वार्ता करनी जरूरी है। 2024 के चुनाव में यह बात सत्य है कि यदि मायावती, ममता और नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के साथ होते तो भाजपा का सरकार बनाने का सपना टूट सकता था।

वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

खेल जगत

श्रीधरन श्रीराम होंगे सीएसके सहायक गेंदबाजी कोच

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले भारत के पूर्व ऑलराउंडर एस श्रीराम को टीम का सहायक गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। श्रीधरन श्रीराम, स्टीफन फ्लेमिंग (मुख्य कोच), माइक हसी और एरिक सिमंस (गेंदबाजी सलाहकार) की अगुवाई वाली कोचिंग दल में शामिल होंगे। विभिन्न स्तरों पर कोचिंग का अनुभव वाले श्रीधरन श्रीराम सीएसके में ड्वेन ब्रावो की जगह लेंगे। ड्वेन ब्रावो मेंटर के रूप में पिछले चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स रूप में शामिल हुए हैं। वह 2016 से 2022 तक ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच थे। अगस्त 2022 में श्रीराम को एशिया कप और टी-20 विश्वकप से पहले बंगलादेश का टी-20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया था। सितंबर 2023 में वह आईपीएल 2024 के लिए सहायक कोच के रूप में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी में शामिल हुए थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम के सामने नीदरलैंड को हरा कर उलटफेर करने की चुनौती

■ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर भारतीय चरण का समापन बढ़िया ढंग से करने को प्रतिबद्ध : सलीमा टेटे

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

महिला एफआईएच प्रो लीग

नई दिल्ली, 24 फरवरी (देशबन्धु)। भारत की महिला हॉकी टीम के सामने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के घरेलू चरण का समापन मौजूदा चैंपियन नीदरलैंड को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में मंगलवार और बुधवार को हरा उलटफेर कर घरेलू चरण का समापन जीत के साथ करने की चुनौती है। सलीमा टेटे की अगुआई वाली भारत की महिला हॉकी टीम का प्रो लीग का घरेलू चरण मिले जुले नतीजों वाला रहा है। सलीमा टेटे की अगुआई वाली भारतीय टीम जर्मनी से पहल मैच में 0-4 की हार के बाद उसके खिलाफ रिटर्न मैच में मिली 1-0 की जीत केबाहर नीदरलैंड को हरा बड़ा उलटफेर करने का सपना संजोए है। भारत की महिला टीम ने अपना अभियान इंग्लैंड पर 3-2से किया लेकिन रिटर्न मैच में निर्धारित समय में दो दो की बराबरी के बाद शूटआउट में 1-2 से हार गई थी। फिर उसे स्पेन के हाथों 3-4 व 0-1 से हार झेलनी पड़ी थी। वहीं नीदरलैंड की महिला टीम ने इंग्लैंड को अपने पिछले दो मैचों में 5-1 और 6-0 से शिकस्त दी। नीदरलैंड की महिल टीम अपने छह में पांच मैच जीत 15अंकों के साथ शीर्ष पर है और अपनी जीत की इसी लय को बरकरार रखना चाहेगी। दोनों देशों के बीच 2013 से जो सात मैच हुए हैं उनमें नीदरलैंड ने पांच और भारत मात्र एक मै जीता है जबकि एक ड्रा रहा। भारत की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, 'नीदरलैंड दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक है और हम जानते हैं कि उसके खिलाफ मैच खासे मुश्किल रहने वाले हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर भारतीय चरण का समापन बढ़िया ढंग से करने को प्रतिबद्ध हैं। जर्मनी के खिलाफ पिछले मैच की जीत से हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है। हमने अपनी खामियों को दूर करने पर खासी मेहनत की है। अब हम नीदरलैंड के खिलाफ भी जर्मनी की सी शिद्दत से खेलने पर अपना ध्यान लगाया है। बतौर टीम अपनी क्षमता पर भरोसा है और हम नीदरलैंड के खिलाफ मैच के लिए तैयार हैं। रिकॉर्ड भले नीदरलैंड के हक में है लेकिन हमें इस बार उलटफेर करने की उम्मीद है। हर मैच बतौर टीम बेहतर प्रदर्शन का मौका होता है और हमारा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने का है। हमें अपनी क्षमता पर भरोसा है। हम नीदरलैंड को टक्कर देने में कसर नहीं छोड़ेंगे।'

मैच का समय : भारत वि नीदरलैंड, शाम सवा पांच बजे से।

सेबेस्टियन बेज ने जीता रियो ओपन का खिताब

रियो डी जेनेरियो, 24 फरवरी (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के टेनिस खिलाड़ी सेबेस्टियन बेज ने फाइनल मुकाबले में फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर हराकर रियो ओपन का अपना खिताब को बरकरार रखा। जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले पर रविवार को एक घंटे 27 मिनट तक चले मुकाबले में सेबेस्टियन बेज ने एलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार दूसरी बार रियो ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह उनका सातवां एटीपी टूर खिताब है। मैच के बाद बेंज ने कहा कि मेरा यह पूरा सप्ताह बहुत अच्छा रहा। मैं अपने द्वारा खेले गए हर मैच से बहुत खुश हूं।

पिंक लेडीज कप में रूस ने भारत को 2-0 से हराया

शारजाह (यूएई), 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की सीनियर महिला फुटबॉल टीम को पिंक लेडीज कप के अपने दूसरे मुकाबले में रूस के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अल हमरिया स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में रविवार रात खेले गये मुकाबले में रूस ने भारत को 2-0 से हराया। रूस की ओर से पहले हॉफ में ग्लेफिरा झुकोवा ने 25वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हॉफ में वेलेंटिना स्मिरनोवा ने 92वें मिनट में दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया।

पाक की हार के बाद इस्लामाबाद में जश्न ही जश्न, विराट की हुई जय-जयकार

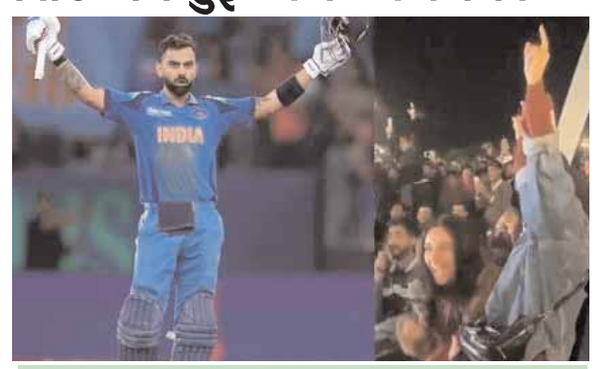

नई दिल्ली, 24 फरवरी (देशबन्धु)। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के मैदान पर एक बार फिर टीम इंडिया भारी पड़ी। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने रविवार को दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में पाकिस्तान को हरा दिया। इसके बाद होना ये था कि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में दुख मनाया जाता, लेकिन हुआ इससे उलट। वहां मना जश्न और वजह रहे विराट कोहली। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में विराट कोहली ने नाबाद 100 रनों की पारी खेली और इसी के साथ टीम इंडिया ने पाकिस्तान द्वारा रखे गए 242 रनों के टारगेट को हासिल कर लिया। इस जीत के बाद पाकिस्तान के सेमीफाइनल में जाने की संभावना लगभग खत्म हो गई है। वहीं भारत का अंतिम-4 में जाना तय है। विराट ने 43वें ओवर की दूसरी गेंद पर चौका मार भारत को जीत दिलाई। इसी के साथ उनका 51वां वनडे शतक भी पूरा हुआ। इसके बाद मैदान पर तो टीम इंडिया जश्न मना रही थी और भारत में भी फैंस जश्न में डूब गए थे। लेकिन पाकिस्तान के इस्लामाबाद में भी फैंस कोहली के शतक का जश्न मनाने लगे। उन्हें पाकिस्तान की हार से दुख नहीं था बल्कि कोहली का शतक पूरा होने की खुशी थी। इस्लामाबाद में मैच के लिए एक बड़ी साइट स्क्रीन बाहर किसी होटल के बाहर लगाई गई थी। फैंस इस स्क्रीन पर मैच देख रहे थे और जब कोहली अपने शतक के करीब थे तो ये लोग कोहली के नाम के नारे लगा रहे थे। जैसे ही कोहली ने खुशदिल शाह की गेंद पर कवर्स पर चौका मारा इस्लामाबाद में फैंस झूम उठे और कोहली के नाम के नारों के साथ जश्न मनाने लगे। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने इस मैच में टॉस जीतते हुए पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

टीम इंडिया की जीत देख सचिन-गांगुली हुए खुश

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बड़े मैच में भारत-पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मैच खेला गया। इस मैच में टीम इंडिया ने 242 रन का पीछा करते हुए 45 गेंद बाकी रहते हुए 6 विकेट से पाकिस्तान पर जीत दर्ज की।टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने लगातार दूसरी जीत हासिल की, जबकि पाकिस्तान की टीम को लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी। पाकिस्तान पर मिली भारत की जीत में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 100 रन की नाबाद पारी खेली। टीम इंडिया की जीत के बाद महान सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली से लेकर कई दिग्गजों ने एक्स पर टीम को बधाई दी। दरअसल, भारत के दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने विराट कोहली को मैच विनिंग पारी खेलने के बाद उनकी सराहना की। सचिन ने एक्स पर लिखा कि जिस मैच का काफी इंतजार था, उस मैच का बेहतरीन अंत हुआ।

इंदिरा गांधी कॉलेज ने जीता इंटर कॉलेज महिला हैडबॉल का खिताब

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान की महिला हैंडबॉल टीम ने जीसस एंड मेरी कॉलेज को हराकर इंटर कॉलेज चैंपियनशिप 2024-25 का खिताब अपने नाम किया। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में आयोजित हैंडबॉल टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल मुकाबले में इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान ने जीसस एंड मेरी कॉलेज को 15-8 के स्कोर से हराया। कप्तान आकांशा के नेतृत्व में इंदिरा गांधी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण कौशल, समन्वय और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया। चैंपियनशिप में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, लेकिन इंदिरा गांधी कॉलेज ने फाइनल में दबदबा बनाते हुए कोर्ट पर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

नवजोत सिद्धू ने की विराट कोहली की तारीफ

■ विराट ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ अपना 51वां वनडे शतक भी बनाया

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025

दुबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह बल्लेबाज अपने करियर में 10 से 15 शतक और लगा सकता है।

दरअसल, रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के अहम मुकाबले में विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ सेंचुरी बनाई थी। भारत के पावरप्ले में एक विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए विराट कोहली ने 111 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाकर टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। साथ ही उन्होंने अपना 51वां वनडे शतक भी बनाया। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है, जिनके वनडे में 50 शतक हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि कैरेक्टर संकट में नहीं बनता बल्कि प्रदर्शित होता है। यह एक ऐसा व्यक्ति (विराट कोहली) है, जो जोश और जुनून से भरा हुआ है और इस शतक के बाद मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यह व्यक्ति अगले 2 या 3 साल तक खेलेगा और वह 10 या 15 शतक और लगाएगा।

आप मेरी बात पर यकीन कर सकते हैं, क्योंकि, आप देखिए किसी के लिए भी सबसे बड़ा परीक्षण यह है कि वह कठिन समय से कैसे गुजरता है और वह कैसे कठिनाइयों को अपनाता है। सिद्धू ने जियो हॉटस्टार पर कहा कि पिछले छह महीनों में इतना कुछ हुआ है कि उसने अपना पल चुन लिया। जब उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ रन बनाए तो लोग इसे 10 साल तक नहीं भूलेंगे। 36 वर्षीय कोहली ने साल 2008 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सेंचुरी बनाने के साथ ही 14,000 रन बनाने का आंकड़ा भी पार कर लिया है। वह सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली को यह उपलब्धि हासिल करने में 298वें वनडे मैच का सफर तय करना पड़ा है। उन्होंने वनडे में अब तक 73 हाफ सेंचुरी और 50 से अधिक शतक बनाए हैं। सिद्धू ने कहा कि वह रनों के लिए भूखा था। आज की यह पारी ऐसी थी, जिसे लेकर हम जरूर कह सकते हैं कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आसानी से अगले 3-4 साल में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। बता दें कि विराट कोहली वनडे मैच में 8,000, 9,000, 10,000, 11,000, 12,000, 13,000 और 14,000 रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज पुरुष बल्लेबाज हैं। उन्होंने तेंदुलकर की तुलना में 63 कम पारियों में 14,000 वनडे रन बनाए हैं। सिद्धू ने कहा कि ये वे लोग हैं, जिन्होंने बच्चों को प्रेरित किया है।

पिछले छह महीनों में इतना कुछ हुआ है कि उसने अपना पल चुन लिया। जब उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ रन बनाए तो लोग इसे 10 साल तक नहीं भूलेंगे : नवजोत सिंह सिद्धू

सार संक्षेप

मुंबई के निखिल पाटिल ने जीता इंडियन स्पोर्ट्स फोटोग्राफी पुरस्कार

बेंगलुरु। मुंबई के फोटोग्राफर निखिल पाटिल को भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री के 100वें मैच की शानदार तस्वीर खींचने के लिए पहले इंडियन स्पोर्ट्स फोटोग्राफी अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की अगुआई वाले निर्णायक मंडल ने विजेताओं के नाम चयन किया। हालांकि इस दौरान नारंग व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। बैंगलोर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उनकी साथी प्रसिद्ध खेल पत्रकार शारदा उग्रा ने उनकी ओर से विजेताओं के नामों की घोषणा की। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ी सुनील छेत्री के 100वें मैच की शानदार तस्वीर खींचने निखिल पाटिल शीर्ष पर रहे। दूसरे और तीसरे स्थान पर नेहा गनेरीवाल रहीं। उन्हें खेल श्रेणी में महिला वर्ग के लिए सम्मानित किया गया। वहीं संदीप परशुराम पंगेरकर को क्रिकेट श्रेणी की बेहतरीन फोटोग्राफी के लिए पुरस्कार मिला।

गढ़वाल की रोमांचक औऱ सुदेवा की बड़ी जीत

नई दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग के एक रोमांचक मुकाबले में पिछले विजेता गढ़वाल हीरोज एफसी ने पहली लीग के विजेता वाटिका फुटबाल क्लब को 2-1 से हरा कर खिताब की दौड़ में मजबूत कदम बढ़ाया। आज यहां खेले गये मुकाबले में विजेता टीम के लिए इशान बोक और सीजोजफ होकिप ने दर्शनीय गोल किये। वहीं वाटिका की ओर से यांग होकिप ने गोल किया।दिन के पहले मैच में सुदेवा एफसी ने एजाज अहमद औऱ लालटलां सांगा के दो दो गोलों की मदद से लीग की सबसे कमजोर टीम यूनाइटेड भारत को 6-0 से रौद डाला। सचिन औऱ उदित ने एक-एक गोल किया। गढ़वाल के ईशान बोक और सुदेवा के सांगा को प्लेयर ऑफ द मैच आँका गया। गढ़वाल और वाटिका के मैच का प्रमुख आकर्षण बेहतरीन गोल रहे। लेकिन पराजित टीम के लिए यांग होकिप ने पहले गोल किया और गढ़वाल को बराबरी पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

सेबेस्टियन बाएज ने लगातार दूसरी बार जीता रियो ओपन का खिताब

रियो डी जेनेरियो, 24 फरवरी (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के टेनिस खिलाड़ी सेबेस्टियन बाएज ने लगातार दूसरी बार रियो ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। ऐसे करने वाले पहले वह पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने फाइनल मुकाबले में फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ ही बाएज दक्षिण अमेरिका के सबसे बड़े टेनिस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत कायम रखने में सफल रहे। बाएज ने पूरे मैच के दौरान शानदार खेल दिखाया और 26 विनर्स लगाए। उन्होंने मुलर की सर्विस को पांच बार तोड़ते हुए एक घंटे 27 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए बाएज ने कहा कि मुझे पूरे सप्ताह अपने प्रदर्शन पर बहुत गर्व है। मैं हर मैच से बहुत खुश हूं। उन्होंने आगे कहा कि फाइनल हमेशा अलग होते हैं क्योंकि आप टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। मैं मैच पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं और यही सबसे मुश्किल हिस्सा होता है, लेकिन मेरे कोच और टीम ने मुझे पूरा समर्थन दिया, जिससे मैं अपना ध्यान बनाए रख सका। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह 24 वर्षीय खिलाड़ी का सातवां एटीपी टूर खिताब है, जिसमें से छह खिताब उन्होंने क्ले कोर्ट पर जीते हैं। इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले मुलर को बाएज के खिलाफ शुरू से ही संघर्ष करना पड़ा। 28 वर्षीय मुलर की सर्विस मैच में कमजोर रही। उन्होंने तीन डबल फॉल्ट किए और अपनी पहली सर्विस पर सिर्फ 60 प्रतिशत अंक जीते, जबकि दूसरी सर्विस पर यह आंकड़ा 32 प्रतिशत ही रहा। दुनिया के 60वें नंबर के खिलाड़ी मुलर ने मैच के बाद कहाकि वह शारीरिक रूप से मुझसे बेहतर थे। कल मेरा मुकाबला शानदार रहा, लेकिन आज का दिन मुश्किल था। मैंने आक्रामक खेलने की कोशिश की, लेकिन वह बहुत गहराई से खेल रहे थे और उनसे निपटना आसान नहीं था।

मुझे पूरे सप्ताह अपने प्रदर्शन पर बहुत गर्व है। मैं हर मैच से बहुत खुश हूं : सेबेस्टियन बाएज

टेनिस: वीनस विलियम्स ने इंडियन वेल्स वाइल्डकार्ड ठुकराया

कैलिफोर्निया, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व विश्व नंबर एक वीनस विलियम्स ने अगले महीने होने वाले इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड ठुकरा दिया है। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार आयोजकों ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका की स्टार खिलाड़ी विलियम्स को आमंत्रित किया गया था, लेकिन सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन ने इसे स्वीकार नहीं किया है। टूर्नामेंट निदेशक टॉमी हास के हवाले से सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किए गए बयान में कहा कि हमारी टीम को सूचित किया गया है कि वीनस इस साल वाइल्डकार्ड स्वीकार नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम वीनस को शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि भविष्य में वह इंडियन वेल्स में फिर से दिखाई देंगी। विलियम्स ने पिछले मार्च में मियामी ओपन के पहले दौर में हारने के बाद से उन्होंने डब्ल्यूटीए टूर-स्तरीय मैच नहीं खेला है। उन्होंने पहले टेनिसवीकली पॉडकास्ट को बताया था कि वह 2-16 मार्च तक चलने वाले इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वापसी नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं नहीं खेलूंगी। मैं विदेश में रहूंगी। मैं यहां नहीं रहूंगी।

पाक की बुरी हालत देख फैन ने की दगाबाजी, बीच मैच में बदला पाला

नई दिल्ली, 24 फरवरी (देशबन्धु)। दगाबाज रे... ये गाना तो आपने सुना ही होगा। कहना का मतलब है कि एक इंसान जो धोखा दे गया। भारत के खिलाफ मैच में पाकिस्तान को ऐसा ही कुछ झेलना पड़ा। बीच मैच में उसका फैन दगाबाज हो गया। ऐसी दगाबाजी की उम्मीद किसी भी फैन से नहीं की जाती, लेकिन पाकिस्तान टीम की बुरी हालत ने शायद इस शख्स को पाला बदलने पर मजबूर कर दिया।

भारत की जीत देखते हुए उसने जर्सी बदली और भारत को सपोर्ट करने लगा

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी-2025 में मैच खेला गया। दुबई में खेले गए इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को एक तरफा हार सौंपी। मैच की शुरुआत से ही पाकिस्तान कभी भी भारत के मुकाबले में नहीं रहा। नतीजा ये रहा कि टीम इंडिया छह विकेट से मुकाबला जीत गई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो इस समय तहलका मचाए हुए है। ये वीडियो भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच का है। इस मैच में भारतीय टीम हावी थी और फिर पाकिस्तान के फैन ने जो किया वो कैमरे में वहां बैठे एक शख्स ने कैद कर लिया। पहले तो ये शख्स दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के स्टैंड में पाकिस्तान की हरी जर्सी पहनकर बैठा था, लेकिन जब देखा कि पलड़ा भारत का भारी है तो फिर उसी हरी जर्सी के ऊपर टीम इंडिया की नीली जर्सी पहनने लगा। जैसे ही ऐसा हो रहा था वैसे ही उस फैन के पीछे बैठे एक शख्स ने उसे पकड़ लिया और उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद ये शख्स जोर-जोर से चिल्लाने लगा कि ये शख्स बीच मैच में अपना पाला बदल रहा है। इसके बाद ये फैन भी हंसने लगा, लेकिन उसने जर्सी बदल ही ली और भारत को सपोर्ट करने लगा।

इस मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी की और सउद शकील के 62, मोहम्मद रिजवान के 46 रनों के दम पर 241 रन बनाए। ये स्कोर बड़ा नहीं था। भारत ने आसानी से 43वें ओवर की तीसरी गेंद पर ये टारगेट हासिल कर लिया। विराट कोहली ने इस मैच में एक बार फिर बताया कि वह बड़े मैच के प्लेयर हैं। उन्होंने नाबाद 100 रनों की पारी खेली और अपने वनडे करियर का 51वां शतक पूरा किया।

अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन का आयोजन नारायणपुर में : डेका

रायपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने अपने अभिभाषण में कहा कि बस्तर ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन के पश्चात मेरी सरकार अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन का आयोजन नारायणपुर जिले में करने जा रही है। श्री डेका ने विधानसभा को संबोधित करते हुए अपने 58 बिंदुओं की चर्चा करते हुए कहा कि मेरी सरकार यह मानती है कि खेलों के माध्यम से आम जनता में उत्साह का संचार होता है। इसके लिए हम खेल अधोसंरचना को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रदेश में सात जिलों में खेलो इंडिया के नये सेंटर आरंभ किए गए हैं। मेरी सरकार ने पूर्व वर्षों के लंबित खेल अलंकरण सम्मान भी खिलाड़ियों को प्रदान किए हैं। बस्तर ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन के पश्चात मेरी सरकार अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन का आयोजन नारायणपुर जिले में करने जा रही है। श्री डेका ने कह कि नक्सल प्रभावित बस्तर शांति की ओर लौटने का उत्सव मना रहा है।

मेरी सरकार ने लोगों में उत्साह भरने और खेल प्रतिभाओं को निखारने बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया। इन खेलों में एक लाख 65 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें बड़ी संख्या में माओवादी आतंकवाद से प्रभावित परिवारों के लोग, आत्मसमर्पित माओवादी और माओवादी हिंसा में दिव्यांग हो चुके लोग भी शामिल रहे।

मेरी सरकार यह मानती है कि खेलों के माध्यम से आम जनता में उत्साह का संचार होता है। इसके लिए हम खेल अधोसंरचना को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं : रमेन डेका

सार-समाचार

5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षाएं प्रारंभ

सिलवानी, देशबन्धु। शासकीय और निजी स्कूलों में कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षा सोमवार से प्रारंभ हो गई, जो 5 मार्च तक चलेगी। यह परीक्षाएं बोर्ड पैटर्न पर कराई जा रही है। परीक्षा के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए गए। इन परीक्षाओं में विकासखंड के 35 परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 5 में 2810 में 2739 बच्चों ने परिक्षा दी। 71 अनुपस्थिति रहे। वहीं कक्षा 08 में 3292 दर्ज थे जिसमें 3059 बच्चों ने परीक्ष दी। 233 बच्चे अनुपस्थिति रहे। परीक्षा को लेकर सिलवानी बीआरसी मजहबी सिद्दीकी ने बताया कि शिक्षा विभाग ने परीक्षा की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। बोर्ड पैटर्न पर होने वाली 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं शुरू हो गई। परीक्षा के लिए विकास खंड में 35 परीक्षा केंद्र बनाए है। जहां कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं के कुल 6102 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 4.30 बजे तक है। वहीं सभी केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्ष की भी नियुक्ति कर उन्हें परीक्षा में व्यवस्था के लिए जवाबदारी दी गई है।

कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव 27 से

सीहोर, देशबन्धु। कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव 27 फरवरी से 3 मार्च तक होगा। आयोजन को लेकर विठलेश सेवा समिति और प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। आयोजन स्थल पर दो दिन पहले से ही भीड़ उमड़ने लगी है। रविवार और रात तक यहां लगे पंडाल और डोम श्रद्धालुओं से भर गए। श्रद्धालुओं ने अभी से बैठने की जगह सुरक्षित कर ली है। मंगलवार तक लाखों श्रद्धालु पहुंच जाएंगे। रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान प्रसिद्ध भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। विठलेश सेवा समिति, जिला प्रशासन, ग्रामीण और शहरी समाजसेवियों के अलावा जनप्रतिनिधियों के द्वारा यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्था की है। यहां पर विभिन्न प्रदेशों से करीब 2 हजार से अधिक सेवादार व्यवस्था के लिए आए है। इसके अलावा पुलिस प्रशासन के द्वारा 3 हजार से अधिक पुलिस का बल महोत्सव में अपनी सेवा देने के लिए तत्पर है।

डॉ.जैन राष्ट्रीय मीट में सम्मानित

सीहोर, देशबन्धु। राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान प्रोजेक्ट में पदस्थ डॉ.आर.सी जैन ,मुख्य वैज्ञानिक मृदा विज्ञान एवं माइक्रोबायोलॉजी पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित 55 वी राष्ट्रीय ग्रुप मीट में उनके कृषि अनुसंधान ,शिक्षा ,और प्रसार के क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट योगदान के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के अस्सिटेंट डायरेक्टर जनरल डॉ. संजीव गुप्ता, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोयाबीन के निदेशक डॉ. के.एच. सिंह और राष्ट्रीय मंच ने उन्हें उत्कृष्ट कार्यों के लिए शॉल,श्रीफल और उपलब्धियों के मेडल भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। और उपस्थित उत्कृष्ट भारतीय वैज्ञानिक समूह , विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. अरविंद शुक्ला एवं निदेशक अनुसंधान डॉ.एस.के. शर्मा ने उनकी इस उपलब्धि पर भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए हर्षित बधाईयां दीं।

केन्द्रीय मंत्री की उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम, जिले के 162675 किसानों के खाते में पहुंची किसान सम्मान निधि की राशि

योजनाओं ने छोटे किसानों को सशक्त बनाया: वीरेन्द्र कुमार

रायसेन, देशबन्धु। नगर स्थित वन परिसर में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार के मुख्य आतिथ्य में किसान सम्मान समारोह तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त राशि अंतरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्षयशवंत मीणा, जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र बघेल, कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक पंकज पाण्डे तथा राकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। भागलपुर बिहार में आयोजित प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम का भी वन परिसर में लाईव प्रसारण देखा व सुना गया। केन्द्रीय मंत्री ने किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त राशि के सांकेतिक चेक भी प्रदान किए।

कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार ने उपस्थित किसानों तथा नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भागलपुर बिहार से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त के माध्यम से 9.8 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि अंतरित की गई है। रायसेन जिले के 162675 किसान भाईयों के बैंक खाते में भी 32 करोड़ 53 लाख 50 हजार रू की राशि अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि आज से 06 वर्ष पहले 2019 में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों की चिंता करते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का शुभारंभ किया गया। यह योजना प्रधानमंत्री का देश के अन्नदाताओं, किसानों के प्रति सम्मान है। योजना के तहत किसानों को हर वर्ष तीन समान किस्तों में 6 हजार रू की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की जाती है। यह राशि किसान भाईयों की खेती से जुड़ी छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने में बड़ी मददगार होती है। केन्द्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से छोटे-छोटे किसान भाईयों को सशक्त बनाने का काम किया जा रहा है। इन योजनाओं का लाभ पाकर किसान भाई आर्थिक उन्नति और समृद्धि की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मिलेट (मोटा अनाज) मिशन के माध्यम से कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा एवं रागी के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारे देश में ही नहीं, विदेशों में भी मिलेट के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ी है। हमारे किसान भाईयों द्वारा उत्पादित मिलेट विदेशों में बिक रहा है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश का शरबती गेहूँ भी देश-विदेश में प्रसिद्ध है। रायसेन, विदिशा, सीहोर सहित अन्य जिलों में उत्पादित होने वाला शरबती गेहूँ की देश के अन्य राज्यों में भी बहुत मांग है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के साथ ही महिलाओं, युवाओं, वृद्धजन सभी के लिए जनकल्याणकारी और हितग्राहीमूलक योजनाएं चलाई जा रही हैं।

कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि किसानों की आमदानी बढ़ाने, उनके विकास और कल्याण के लिए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार काम रहे हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसान भाईयों को एक साल में 06 हजार रू की राशि प्रदान की जाती है। प्रदेश सरकार द्वारा भी मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 06 हजार रू की राशि किसान भाईयों को प्रदान की जाती है। इस प्रकार एक साल में प्रदेश के किसान भाईयों को 12 हजार रू की राशि प्रदान की जाती है। जिसका उपयोग किसान भाई खाद, बीज सहित खेती के अन्य कार्यो के लिए करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने लगातार काम किए जा रहे हैं। पहले जहां प्रदेश में सात लाख हैक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई होती थी, वहीं आज प्रदेश में लगभग 45 लाख हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर, उप संचालक कृषि, एसएलआर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार ने कार्यक्रम स्थल पर कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग तथा प्रगतिशील किसान भाईयों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों तथा प्रगतिशील किसानों से अनाज की उन्नत किस्मों, योजनाओं के क्रियान्वयन आदि के बारे में जानकारी ली।

माता-पिता की सेवा की प्रेरणा ही धर्म का मूल: कृपालु महाराज

सिलवानी, देशबन्धु। ग्राम वीकलपुर के स्कूल ग्राउंड में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन हाकिम सिंह रघुवंशी की पुण्य स्मृति में पूर्व जनपद सदस्य महेंद्र पटेल व उनके परिजनों द्वारा करवाया जा रहा है। जिसमें कथा व्यास वेद आचार्य पंडित राम कृपालु महाराज ने तृतीय दिवस सोमवार को श्रद्धालुओं को भागवत कथा का रसपान कराते हुए कहा कि इस मिथ्या संसार में कोई अपना नहीं, सभी स्वार्थ के वशीभूत होकर अपने-अपने स्वार्थ पूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करके, संसार में अंधकार मय जीवन जी रहे हैं। यदि किसी का स्वार्थ प्रयोजन सफल नहीं होता तो वह मुख मोड़ लेता है। इसी प्रकार परिवार, समाज और मित्रों से भी स्वार्थ पूर्ति नहीं होती है तो व्यक्ति उनसे मुख मोड़कर अलग हो जाता है। जबकि मनुष्य का धर्म है कि वह स्वार्थ की भावना छोड़ कर, परमार्थ को स्वीकार करके जगत कल्याण के कार्य में संलग्न हो। यह शिक्षा हमें सत्संग में ही प्राप्त होती है। इसीलिए बहुत सौभाग्य से हमारे जीवन में सत्संग प्राप्त होता है और सत्संग के माध्यम से ही हमें परमात्मा तक पहुंचने का मार्ग प्राप्त होता है, जो कि परम पवित्र परमार्थ का मार्ग है,जिससे आत्मकल्याण संभव है। कथा व्यास आचार्य राम कृपालु महाराज ने भक्त प्रह्लाद ने माता कयाधु के गर्भ में ही नारायण नाम का मंत्र सुना था। जिसके सुनने मात्र से भक्त प्रह्लाद के कष्ट दूर हो गए थे। इसके उपरांत उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पावन लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को धर्म का ज्ञान बचपन में दिया जाता है, वह जीवन भर उसका ही स्मरण करता है। ऐसे में बच्चों को धर्म व आध्यात्म का ज्ञान दिया जाना चाहिए। माता-पिता की सेवा व प्रेम के साथ समाज में रहने की प्रेरणा ही धर्म का मूल है। अच्छे संस्कारों के कारण ही ध्रुव को पांच वर्ष की आयु में भगवान का दर्शन प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें 36 हजार वर्ष तक राज्य का वरदान भगवान से प्राप्त हुआ था।

शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली शोभायात्रा

सिलवानी, देशबन्धु। नगर के वार्ड क्रमांक 15 में भगवान शिव जी भोलेबाबा के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य कलश शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में माताएं, बहनें और वार्डवासी श्रद्धा और भक्ति के साथ उपस्थित हुए। शोभायात्रा में लोग भव्य कलश लेकर चल रहे थे, और पूरे मार्ग में जय भोलेनाथ के उद्घोष से वातावरण गूंज उठा। यात्रा की शुरुआत बजरंग चौराहा मंदिर में नगर खेड़ा पति पंडित भूपेंद्र शास्त्री के पूजन अर्चन के साथ प्रारंभ हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने शिवजी की भव्य पूजा-अर्चना की और फिर कलश यात्रा की शुरुआत हुई। कलश शोभायात्रा के दौरान भक्तों ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की धुन पर नृत्य किया, और पूरे मार्ग में पुष्पवृष्टि की गई। इस अवसर पर सभी ने भगवान शिव से सुख-समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। यात्रा के दौरान वार्डवासियों ने श्रद्धा से भरी आस्था और एकजुटता का परिचय दिया। इस पवित्र आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना और लोगों के बीच भाईचारे की भावना को और मजबूती मिली। शोभायात्रा का समापन मंदिर में श्रद्धा पूर्वक पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया सम्मानित

कलेक्टर ने बैठक लेकर की समीक्षा

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, समय सीमा वाले विभागीय पत्रों और शासकीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर विश्वकर्मा ने विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों और निराकरण की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण में तेजी आई है, यह निरंतर बनी रहे। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएमओ औबेदुल्लागंज राजकुमार शर्मा, बाड़ी जनपद पंचायत सीईओ दानिश अहमद खान, ऊर्जा विभाग के वितरण केन्द्र प्रभारी सुकेत तथा पीएचई विभाग के उपयंत्री सतीश बारपेटे को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। बैठक में कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा ने सभी अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता से वह स्वयं चर्चा कर वस्तुस्थिति जाने और शिकायत के निराकरण की कार्यवाही से अवगत भी कराएं। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों, हितग्राहियों को किस्त वितरण और आवास निर्माण की प्रगति की जनपदवार समीक्षा कर निर्देश दिए कि अधिकारी ग्रामों का भ्रमण कर आवासों का निरीक्षण करें। यह सुनिश्चित हो कि हितग्राही द्वारा किस्त की राशि का उपयोग आवास निर्माण में ही किया जाए। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वच्छता परिसरों की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा करते हुए ई आरईएस और जनपद सीईओ कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने नगरीय निकायों में अवैध कॉलोनाइजर्स के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई की जानकारी लेते हुए सभी सीएमओ को अपने निकाय क्षेत्रों में अवैध कॉलोनाइजर्स के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। इसी प्रकार पीएम स्ट्रीट वेण्डर योजना के तहत हितग्राहियों को 20 हजार रू ऋण वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रकरण लंबित ना रहें। उन्होंने एलडीएम तथा सीएमओ को निर्देश दिए कि बैंक मैनेजर्स से समन्वय कर प्रकरण स्वीकृत और राशि वितरण सुनिश्चित कराएं।

4 दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन

सिलवानी, देशबन्धु। स्व. अटल बिहारी वाजपेई स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में चल रही चार दिवसीय राज्य स्तरीय ओपन सिंगल्स एवं डबल्स बैडमिंटन प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हुआ। इससे पूर्व जिला स्तरीय फाइनल मुकाबला मुस्तकीम अहमद और विशु जैन ने राशिद और अली को हराकर जीता। सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में शिवांश दतिया ने गौरव परमार ग्वालियर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सक्षम दतिया ने प्रज्वल इंदौर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में सक्षम ने शिवांश को हराकर फाइनल मुकाबला जीता। डबल्स के पहले सेमीफाइनल में दतिया की टीम ने सागर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया जबकि दूसरे सेमीफाइनल में ग्वालियर ने इंदौर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। डबल्स के फाइनल में दतिया के सक्षम और शिवांश ने ग्वालियर के गौरव परमार और राकेश शर्मा को हराकर फाइनल का खिताब जीता। चार दिवसीय प्रतियोगिता में 60 मैच खेले गए। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण में भाजपा नेता विभोर नायक मंडल अध्यक्ष श्याम साहू द्वारा खिलाड़ियों को नगद इनामी राशि और ट्रॉफी प्रदान किए गए। इस अवसर पर डॉ. आर एस पटेल, राजपाल राजपूत, पार्षद प्रदीप कुशवाहा, मोहन साहू गुड्डू भाई, धर्मेंद्र रघुवंशी, दीनानाथ श्रीवास्तव, राकेश राय, मदन रघुवंशी, जावेद खान, राशिद पेंटर, मनीष मालवीय, शशांक जैन, मोहम्मद अली उपस्थित रहे।

स्पेक्ट्रम 2025 में झाबुआ के 16 कर्मचारियों ने की सहभागिता

भोपाल के फैशन शो में दिखीं झाबुआ जिले की जनजातीय संस्कृति की झलक

झाबुआ, देशबन्धु। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के फैशन शो स्पेक्ट्रम 2025 में झाबुआ जिले के 16 सदस्यीय कर्मचारियों द्वारा भागीदारी की गई। यह कार्यक्रम 22 फरवरी को भोपाल में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य झाबुआ जिले की जनजातीय कलात्मक परंपराओं को उजागर करना और उन्हें सम्मानित करने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान करना था। उक्त कार्यक्रम में झाबुआ जिले से जनजातीय कार्य विभाग के 16 कर्मचारियों (8 महिला एवं 8 पुरूष) द्वारा जनजातीय संस्कृति एवं समुदाय की कलात्मक परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए सफल प्रस्तुति दी गई। विभाग के कर्मचारियों श्रीमती मंगला गरवाल, श्रीमती विनाका डामोर, कमेश बिलवाल, रणजीतसिंह डामोर, श्रीमती अनिता नधेल, श्रीमती निशा वामनिया, रेमसिंह डामोर, प्रवीण डामोर, श्रीमती मनीषा बामनिया, श्रीमती मीना जमरा, शंभूसिंह भूरिया, छतरसिंह अमलियार, श्रीमती रामु बामनिया, श्रीमती श्यामू निनामा, रतनसिंह रावत, राजु परमार ने कार्यक्रम में भागीदारी की।

ऐतिहासिक स्थल पर अधिकारियों को ठहरने के लिए नहीं है विश्राम गृह

- 4 साल पहले हुई घोषणा पर भी नहीं हो सका अमल

सांची, देशबन्धु। नगर एक ऐतिहासिक स्थल भी है और यहां आए दिन अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है, लेकिन सबसे बड़ी बात है कि यहां इनको रुकने के लिए विश्राम गृह्ह ही नहीं है। हालांकि इस ओर ध्यान जाने के बाद 4 साल पहले तत्कालीन कलेक्टर ने जरूर विश्राम गृह निर्माण की घोषणा की थी लेकिन उस पर भी आज तक अमल नहीं हो सका।

इस स्थल पर पहले दो विश्राम गृह हुआ करते थे, जो लोक निर्माण विभाग के अधीन थे परन्तु इनमे ठहरने वालों को उपलब्ध सुविधाएं अन्य विभागों को रास नहीं आई। रेस्ट हाउस में क्लाा टू अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था हुआ करती थी एवं सर्किट हाउस जिसमें क्लास वन अधिकारी एवं विशिष्ट अतिविशिष्ट लोगों की मेहमान नवाजी की जाती थी वैसे तो विश्राम भवन का इतिहास काफी पुराना रहा है। इस विश्राम भवन में ही अंग्रेजी हुकूमत के दौरान अंग्रेजी अधिकारियों ने ठहर कर ध्वस्त स्मारकों की खोज की थी। इसके बाद नवाबी हुकूमत के दौरान नवाब के ठहरने का ठिकाना भी बताया जाता है। इसके साथ ही सर्किट हाउस जिसमें पहले दर्जे के अधिकारियों का ठिकाना हुआ करता था इस हाउस में देश की आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के ठहरने का गौरव प्राप्त होना बताया जाता हैं। इसके साथ ही सांची आने वाले देश और विदेश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों सहित अनेक अतिविशिष्ट व्यक्तियों ने ठहरने का गौरव शाली इतिहास रहा था। इन दोनों ही हाउस का संचालन मप्र सरकार के लोनिवि द्वारा किया जाता था परन्तु पुरातत्व विभाग ने विश्राम भवन को प्राचीनतम मानते हुए सरकार से अपने कब्जे में ले लिया तथा इसका मूलरूप प्रदान करते हुए इसे मार्शल हाउस का नाम दे दिया गया। इसके बाद कुछ वर्ष तक सर्किट हाउस लोनिवि के अधीन रहा परन्तु जब इस स्थल का कायाकल्प एवं सुंदरता का जामा पहनाने के नाम पर सरकार ने पर्यटन विकास विभाग को करोड़ों रुपए आवंटित कर दिये तब पर्यटन विभाग ने इस सर्किट हाउस को अपने अधीन लेने की कवायद शुरू कर दी एवं इससे लगे क्षेत्र की शासकीय कृषि उद्यान की आधी भूमि भी अपने अधीन कर ली। विकास के नाम पर करोड़ों रुपये की लागत से सर्किट हाउस आकृति की दो इमारत निर्मित कर डाली। बताया जाता है कि यह नवनिर्वित करोड़ों की लागत से बनी इमारत को भी अब विभाग निजी कंपनी को सौंपने की तैयारी में जुट गया है। अब इस स्थिति में लोनिवि को अपना तामझाम समेट कर उपयंत्री आवास में कबाड़ के रूप में एकत्रित कर रखना पड़ा तबसे ही इस नगर में पर्यटन विभाग अपने स्तर पर सुंदरता के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करता रहा। इन दोनों हाउस पर लगभग 25 स्थानीय लोग अपना एवं अपने परिवार का पालन करते थे उन्हें बेरोजगार होने पर मजबूर होना पड़ा। विकास के नाम पर पर्यटन विभाग द्वारा रेलवे स्टेशन से स्तूप गेट तक करोड़ों की लागत से फुटपाथ निर्माण कराये गए परन्तु तब यह फुटपाथ निर्माण भी काफी सुर्खियां बटोरने में पीछे नहीं दिखाई दिया हद तो तब हो गई जब दो वर्ष के अंतराल में इन फुटपाथ के तीन बार निर्माण होना बताया गया है। इन फुटपाथ को प्रकाशमान बनाने के लिए लाइट व्यवस्था हेतु पोल खडे हुए परन्तु यह बिजली से प्रकाश तो नहीं हो सका बल्कि पोल भी टूट फूट कर नष्ट हो गए। हालांकि अनेक बार स्थानीय लोग विश्राम भवन की मांग उठा चुके है। वर्ष 2021 में 26 जनवरी को जब नवीन थाना भवन का मंत्री रहे क्षेत्रीय विधायक डॉ. प्रभूराम चौधरी ने लोकार्पण किया था तब तत्कालीन कलेक्टर ने अपने उदबोधन में नगर वासियों को केफेटेरिया भवन जो पर्यटन विभाग के अधीन हैं उसे विश्राम भवन के रूप में नगर वासियों को सौगात देने की घोषणा की थी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

महाशिवरात्रि पर्व पर महाप्रसादी व जल सेवा का आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। भीलट देव सेवा समिति की बैठक भीलट बाबा मंदिर, सोनाघाटी में संपन्न हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व पर भव्य महाप्रसादी व जल सेवा का आयोजन होगा। समिति अध्यक्ष वासु आहूजा ने बताया कि यह सेवा कार्यक्रम श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजित किया जाता है और इसमें बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिति रहती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और समिति सदस्यों से सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। बैठक में अध्यक्ष वासु आहूजा, उपाध्यक्ष सचिन पाल, सचिव कुवंरलाल नागले, सहसचिव हेमंत दवंडे सहित समिति के अन्य पदाधिकारी भूपेन्द्र बिहारिया, अभय नावंगे, विजय धोटे, अमन आहूजा, जतिन आहूजा, रोहित मालवी, छोटू, प्रवीण, अभिषेक, राकेश, थारवानी परिवार आदि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ग्वालियर शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल के पोस्टर का हुआ विमोचन

बैतूल, देशबन्धु। भारतीय चित्र साधना से सम्बद्ध सतपुड़ा चलचित्र समिति एवं विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश के तत्वाधान में बैतूल में ग्वालियर शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2025 के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर मंचासीन अतिथियों में राजेश भाटिया, शिरीष सोनी, श्रेणीक जैन, अभिषेक जैन एवं नरेश लहरपुरे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की भूमिका नरेश लहरपुरे ने विस्तृत रूप से रखी। राजेश भाटिया ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए शानदार अवसर बताया। अभिनेता शिरीष सोनी ने कहा कि यह मंच युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन अवसर देगा। नाटककार श्रेणीक जैन ने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होते हैं। समाजसेवी अभिषेक जैन ने बताया कि 8 और 9 मार्च को ग्वालियर में शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल आयोजित होगा, जिसमें शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, कैंपस फिल्म और रील कैटेगरी में प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, जनजातीय समाज, ग्रामीण विकास, सामाजिक सद्भाव, भारतीय संस्कृति, हमारी धरोहरें, लोकल सक्सेस स्टोरी जैसे विषयों पर फिल्में बनाई जा सकती हैं। प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तिथि 28 फरवरी रखी गई है।कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन ललित आजाद द्वारा किया गया।

पिता ने खुशी से दी थी जमीन, भाई ने लगाया झूठा आरोप

बैतूल, देशबन्धु। आमला तहसील के मालेगांव निवासी रघुराज पाल ने शपथपत्र देकर अपने भाई संतोष पाल द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा करार दिया है। 47 वर्षीय रघुराज पाल ने बताया कि उनके पिता मेहतू पाल ने स्वयं उपस्थित होकर 1 नवंबर 2023 को मुलताई पंजीयक कार्यालय में अपनी जमीन उन्हें दान कर दी थी। उनके भाई संतोष पाल को भी उनके पिता ने 1 एकड़ भूमि दी थी, लेकिन अब संतोष पाल झूठे आरोप लगाकर विवाद खड़ा कर रहे हैं। रघुराज पाल ने अपने शपथपत्र में कहा कि उनके भाई संतोष पाल ने उनके खिलाफ झूठा आवेदन प्रस्तुत किया है, जबकि सच्चाई यह है कि उन्होंने कभी भी अपने भाई से कोई पैसे उधार नहीं लिए और न ही कोई मारपीट की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समाज के कुछ लोग, विशेषकर हेमराज पाल और उदय पाल, उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं और समाज के व्हाट्सएप ग्रुप में उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन झूठे आरोपों से उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से गहरी ठेस पहुंची है। शपथपत्र में उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी तथ्य सत्य और प्रमाणित हैं। रघुराज पाल ने प्रशासन से अपील की है कि उनके खिलाफ फैलाई जा रही झूठी अफवाहों पर रोक लगाई जाए और उन्हें न्याय दिलाया जाए।

दस दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का शुभारंभ

बैतूल, देशबन्धु। शिवधाम सालबर्डी में महाशिवरात्रि के अवसर पर लगने वाले दस दिवसीय मेले का सोमवार 24 फरवरी को शुभारंभ किया गया। जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े, प्रभातपट्टन विकासखंड की जनपद अध्यक्ष सोनाली इरपाचे और ग्राम पंचायत सरपंच गुलाबराव इवने ने फीता काटकर और पूजा-अर्चना कर मेले की शुरुआत की। इस अवसर पर तहसीलदार, जनपद सीईओ प्रभातपट्टन, ग्राम पंचायत हिवरखड़ की उपसरपंच डॉ. मीना गव्हाड़े, मिलिन राउत, राजेश सोनारे, निलेश खाड़े, रमेश गव्हाड़े, हरिभाऊ, सुरेश भाऊ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मेले में हर साल श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है और भक्त भोलेनाथ के दर्शन के लिए दूर-दूर से आते हैं। शिवधाम सालबर्डी का यह मेला धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जहां भक्तगण पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। आयोजन समिति के अनुसार इस बार मेले में विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद प्राप्त हो सके।

स्व. रामाधार मालवीय स्मृति टूर्नामेंट

फाइनल में करण 11 की धमाकेदार जीत, 2 लाख नगद पुरस्कार पर जमाया कब्जा

बैतूल, देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम कोठी बाज़ार बैतूल में क्रिकेट प्रेमियों के लिए 24 फरवरी का दिन यादगार बन गया। स्व.रामाधार मालवीय की स्मृति में समीर खान फैंस क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच रोमांच और जबरदस्त मुकाबले से भरा रहा। करण 11 और मेहता एजेंसी के बीच खेले गए इस महामुकाबले में करण 11 ने शानदार जीत दर्ज कर 2 लाख रुपये नगद पुरस्कार पर कब्जा जमाया, जबकि मेहता एजेंसी को उपविजेता के तौर पर 1 लाख रुपये का इनाम दिया गया। टूर्नामेंट कमेटी के अखिलेश मालवीय द्वारा दोनों टीमों को स्व.रामाधार मालवीय की स्मृति में नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

टॉस जीतकर मेहता एजेंसी ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। करण 11 के बल्लेबाजों ने इस मौके को भुनाते हुए धुआंधार बल्लेबाजी की और 12 ओवर में 181 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेहता एजेंसी की टीम 131 रन ही बना पाई और 50 रन से हार गई। इस मैच के हीरो रहे करण 11 के केडी, जिन्होंने 80 रन की शानदार पारी खेली और मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। गेंदबाजी में संतोष सिंह ने कमाल दिखाते हुए चार विकेट झटके और करण 11 को बड़ा झटका दिया। इस टूर्नामेंट का समापन भव्य आतिशबाजी के साथ किया गया। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार अनस को दिया गया, जिन्हें स्कूटी प्रदान की गई। बेस्ट बैट्समैन का अवॉर्ड जीतू साहू को मिला, जबकि संतोष सिंह को बेस्ट बॉलर का खिताब दिया गया। फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्यन चिमटे को बेस्ट फील्डर और अतुल शर्मा को बेस्ट कैच के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, पूर्व विधायक धरमू सिंह सिरसाम, अरुण सिंह किलेदार, पत्रकार मयूर भार्गव, अनुराग मिश्रा, लल्ली वर्मा, बृजभूषण पांडे, डॉ. नितिन देशमुख और योगी खंडेलवाल मौजूद रहे। आयोजन समिति के नफीस मिर्जा और सुनील मालवीय ने बताया कि यह टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद खास रहा, जिसमें हजारों दर्शकों की भीड़ उमड़ी। समीर खान और अखिलेश मालवीय ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, कमेटी मेंबर्स और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हो गए भक्त

चिचोली, देशबन्धु। तहसील मुख्यालय के सोनपुर स्थित प्रसिद्ध संत तप श्री बाबा आश्रम मे महाशिवरात्रि महोत्सव पर्व के दौरान श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन सोमवार को पंडित आचार्य नरेंद्र शास्त्री ने वामन अवतार श्री राम कथा व कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाई। इस दौरान जीवतं झांकी के साथ श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया । नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल के उद्घोष से पूरा पांडाल गूंज उठा। भगवान श्री कृष्ण जन्म के समय सभी भक्त झुमने और नाचने लगे सुमधुर भजनों के साथ कथा श्रवण करने भक्तों की भीड़ उमङ रही है। कथा के दौरान आचार्य नरेंद्र शास्त्री द्वारा रामचरितमानस की चौपाइयों का संक्षेप वर्णन करते हुए उनका सार बताया गया ।पंडित जी ने कथा में श्री कृष्ण जन्म प्रसंग और उनके जन्म लेने की गुढ़ रहस्यो का कथा व्यास से वर्णन किया । तप श्री आश्रम मे 41वे वर्ष में महाशिवरात्रि महोत्सव के दौरान श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।

ठेकेदार की लापरवाही से पानी को तरस रहे ग्रामीण

बैतूल, देशबन्धु। जिले की ग्राम पंचायत कोठिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिखलार के ग्रामीण इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं। 2023 में नल जल योजना के तहत गांव में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही के चलते इसे चालू ही नहीं किया गया। बोरवेल में मोटर तक नहीं डाली गई, जिससे ग्रामीणों को पानी की एक बूंद भी नसीब नहीं हो रही है। गर्मी बढ़ते ही समस्या और गंभीर हो गई है, लेकिन प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा।

गांव के निवासी गब्बू धुर्वे, शुभम आहके, देव सिंग आहके ने बताया ग्रामीण पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। कई बार शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। गर्मी के इस मौसम में जब पानी की जरूरत सबसे ज्यादा होती है, तब गांव के लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। नल जल योजना के संचालन में भारी लापरवाही सामने आई है। जिन अधिकारियों पर इस योजना की निगरानी की जिम्मेदारी थी, उन्होंने कभी मौके पर जाकर काम की प्रगति नहीं देखी। न ही पाइपलाइन की गुणवत्ता की जांच की और न ही यह सुनिश्चित किया कि बोरवेल में मोटर डाली गई है या नहीं। इस लापरवाही का खामियाजा अब ग्रामीण भुगत रहे हैं।

हर साल पेयजल योजनाओं के लिए लाखों रुपये का बजट पास होता है, लेकिन धरातल पर इसका सही उपयोग नहीं हो पाता। चिखलार के लोगों को उम्मीद थी कि नल जल योजना से उनकी पानी की समस्या दूर होगी, लेकिन अब यह योजना कागजों तक ही सीमित नजर आ रही है।ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर कब उन्हें इस समस्या से राहत मिलेगी? कब प्रशासन ठेकेदार पर कार्रवाई करेगा और कब नल जल योजना को शुरू किया जाएगा? सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की बात तो करती है, लेकिन चिखलार के हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं।ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द अधूरी योजना को पूरा किया जाए, ताकि उनकी प्यास बुझ सके।

आज रामेश्वर संगीत संध्या में होगा देवी जागरण

बैतूल, देशबन्धु। शिवरात्रि से पहले शिव विवाह महोत्सव का आयोजन भक्तों के बीच आस्था और उल्लास का संचार कर रहा है। 24 फरवरी की रात 8 बजे त्र्यंबकेश्वर की मेहंदी का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया। श्री शंभू भोले सेवा उत्सव समिति, थाना महाकाल चौक बैतूल के तत्वावधान में आज 25 फरवरी को शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर महोत्सव की भव्यता और बढ़ने वाली है। रात 8 बजे रामेश्वर संगीत संध्या के अंतर्गत मां कालका देवी जागरण ग्रुप द्वारा भव्य देवी जागरण की प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें श्रद्धालु माता के भजनों का आनंद उठाएंगे। रात 7:30 बजे से महाकाल की महाआरती का आयोजन होगा, जिसमें सभी भक्त अपने घर से आरती की थाली सजा कर लाएंगे और भगवान शिव की महाआरती में सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर पूरा वातावरण शिवमय हो जाएगा। शिव विवाह महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। समिति के सदस्य भक्तों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान शिव की आराधना करने का आग्रह कर रहे हैं।

ठेका भूमि पर हुई अफीम की खेती, ठेकादाता पर गिरी गाज

● आदिवासी संगठन हुए एकजुट, गिरफ्तारी के विरोध में दी बंद की चेतावनी ● पेसा नियम 2022 के तहत रिहाई की मांग

बैतूल, देशबन्धु। पेसा एक्ट ग्राम सभा समिति के स्थायी सदस्य छतन उईके की गिरफ्तारी को लेकर आदिवासी संगठनों में जबरदस्त आक्रोश है। जिले के विभिन्न आदिवासी संगठनों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए मांग की है कि छतन को तुरंत रिहा किया जाए, अन्यथा अगले हफ्ते पूरे जिले में एक दिवसीय बंद का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में संगठनों ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और कानूनी प्रक्रिया के तहत निर्दोष को मुक्त करने की मांग की।

मामला खकराढाना पंचायत के ग्राम धसेड का है, जहां आदिवासी किसान छतन पिता मन्नू उईके की कृषि भूमि खसरा नंबर 62/2 रकबा 5.9730 हेक्टेयर में से 1.5 एकड़ जमीन को पप्पू चक्रवान निवासी धसेड ने 500 रुपये के स्टांप पर नोटराइज्ड लिखापढ़ी कर 1 लाख रुपये में 10 साल के लिए लीज पर लिया था। यह ठेका 20 नवंबर 2024 से 20 नवंबर 2034 तक के लिए किया गया था, जिसमें साफ तौर पर उल्लेख था कि इस भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कार्य नहीं किया जाएगा। लेकिन लीजधारक पप्पू चक्रवान ने अनुबंध का उल्लंघन करते हुए ठेका भूमि पर अफीम की अवैध खेती शुरू कर दी। जब यह मामला पुलिस के संज्ञान में आया तो प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए ठेकादाता और ठेकागृहिता को गिरफ्तार कर लिया तथा भूमि से अफीम के पौधों को जब्त कर लिया। इस संबंध में अपराध क्रमांक 100/2025 दर्ज किया गया है।

आदिवासी संगठनों का कहना है कि छतन पिता मन्नू उईके पेसा एक्ट के तहत ग्राम सभा समिति के मनोनीत सदस्य हैं और उन्होंने अनुबंध में स्पष्ट रूप से किसी भी अवैध कार्य के लिए जिम्मेदारी नहीं ली थी। बल्कि, राज्य शासन द्वारा बनाए गए मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम-2022 के तहत ग्राम पंचायत की शांति एवं विवाद निवारण समिति को पारंपरिक पद्धति से विवादों का निपटारा करने का अधिकार है। इस समिति द्वारा की गई जांच में भी यह साफ हुआ है कि ठेकादाता छतन पिता मन्नू उईके किसी भी प्रकार के अवैध कार्य में संलिप्त नहीं थे। बल्कि, लीजधारक पप्पू चक्रवान ने अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करते हुए अवैध खेती की थी। ऐसे में छतन उईके को निर्दोष मानते हुए उसे तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।

ज्ञापन में मांग की गई है कि चूंकि ठेका दस्तावेजों में स्पष्ट उल्लेख है कि जमीन पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि नहीं होगी, इसलिए ठेकादाता छतन उईके पर कोई आरोप सिद्ध नहीं होता। शांति एवं विवाद निवारण समिति ने भी छतन उईके को निर्दोष करार दिया है, इसलिए उन्हें सरकारी गवाह बनाकर तुरंत जेल से रिहा किया जाए और असली आरोपी पप्पू चक्रवान पर सख्त कार्रवाई की जाए। आदिवासी संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द छतन उईके को रिहा नहीं किया गया तो जिलेभर में विरोध प्रदर्शन तेज होगा। अगले हफ्ते पूरे जिले में एक दिवसीय बैतूल बंद का आयोजन किया जाएगा और प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।

बैतूल जिले को औद्योगिक क्षेत्र में शामिल न करना दुर्भाग्यपूर्ण :पांसे

बैतूल, देशबन्धु। हमारे जिले में भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री के साथ-साथ भाजपा के पांच विधायक भी हैं, फिर भी बैतूल जिले को इंडस्ट्रियल एरिया में शामिल न करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह वक्तव्य मध्य प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से व्यक्त किया।

पांसे ने कहा कि मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के मानचित्र में बैतूल जिले का नाम नदारद है, एमपीआईडीसी मैप में खोज करने पर इसकी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जो भी निवेशक एमपीआईडीसी मैप पर जब खोज करेगा और बैतूल जिले का नाम ही नहीं पाएगा, तो स्वाभाविक है कि यहां निवेश किसके द्वारा किया जाएगा। उद्योग के मामले में, वैसे भी हमारा जिला बहुत पिछड़ा हुआ है। कांग्रेस सरकार के समय में वेस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड, पाथाखेड़ा, मध्य प्रदेश विद्युत मंडल का पावर हाउस सारणी एवं औद्योगिक क्षेत्र कोसमी बैतूल जैसे बड़े उद्योग और सरकारी उद्योग विकसित किए गए थे, जिससे लोगों को रोजगार भी मिला था। लेकिन आज की स्थिति पहले से बदतर है, यहां की जनता रोजगार के लिए अन्य राज्यों में जा रही है, जिससे जिले की जनसंख्या भी निरंतर घटती जा रही है और छोटे व्यापारियों का व्यवसाय भी ठप होता जा रहा है। पिछले 21 वर्षों से राज्य में भाजपा की सत्ता है और केंद्र में 12 वर्षों से भाजपा का राज है, फिर भी बैतूल जिले की जनता भोली-भाली है। भाजपा के नेता झूठे प्रलोभनों से जीत तो हासिल कर लेते हैं, लेकिन जब उनके हक की बात आती है तो वे असली मुद्दों पर ध्यान नहीं देते। देश के प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, पर धरातल पर कुछ नजर नहीं आता। श्री पांसे ने कहा कि आखिर यह कैसा दुर्व्यवहार, यह कैसा सौतेलापन जिले की जनता के साथ किया जा रहा है। बैतूल जिले के सांसद और केंद्रीय मंत्री जागरूक नहीं हैं, विधायक भी जोश में नहीं हैं, इनके निष्क्रिय रहने के कारण ही आज बैतूल जिले का विकास कार्य ठप्प है।

पुरानी रंजिश में मारपीट, दबाव बनाकर समझौता करवाने का आरोप

एसपी से की शिकायत

बैतूल, देशबन्धु। अंबेडकर वार्ड टिकारी निवासी राहुल बारस्कर पर जानलेवा हमला कर जबरदस्ती शराब पिलाने की कोशिश की गई। हमलावरों ने घर में घुसकर लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा और जब वह शिकायत करने थाने पहुंचे, तो उन पर दबाव बनाकर जबरन समझौता लिखवा दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज नहीं की, उल्टा झूठे आरोप लगाकर उसे ही दोषी बनाने की कोशिश की गई।

राहुल बारस्कर पिता रूपकुमार बारस्कर निवासी अंबेडकर वार्ड टिकारी ने एसपी को शिकायत में बताया कि भूपेंद्र बारस्कर, चेतन

बारस्कर और ललिता बारस्कर सभी निवासी अंबेडकर वार्ड टिकारी ने पुरानी रंजिश के चलते उनके घर में घुसकर हमला किया। उस वक्त घर में कोई नहीं था, इसी का फायदा उठाकर इन लोगों ने उन्हें बुरी तरह पीटा और जबरदस्ती शराब पिलाने की कोशिश की। राहुल बारस्कर का कहना है कि वे शराब नहीं पीते, लेकिन उन्हें जबरदस्ती फंसाने की कोशिश की जा रही है। शिकायत में बताया गया कि जब वह थाने पहुंचे तो पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय दबाव बनाकर समझौता लिखवा दिया और झूठे आरोप लगाने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि पुलिस ने उनके खिलाफ बयान लिखवा लिया कि वह शराब के नशे में थे, जबकि वह शराब पीते ही नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार उन्हें पीटा जाता है, लेकिन इस बार उनकी जान लेने की कोशिश की गई।

राहुल बारस्कर ने बताया कि उनके पिता पुलिस विभाग से रिटायर्ड हैं। जब उन्हें घटना की जानकारी मिली और वे थाने पहुंचे, तो आरोपियों ने उन्हें धमकी दी कि अब वह रिटायर हो चुके हैं और उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। उन्होंने खुलेआम कहा कि वे पैसे देकर मामला दबा देंगे। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने उनके साथ मारपीट के दौरान उनके चेहरे पर हमला किया, जिससे उनके एक्सीडेंट में लगी प्लेट खिसक गई। डॉक्टर ने बताया कि अब उनकी प्लेट बदलनी पड़ेगी, लेकिन एमएलसी रिपोर्ट में डॉक्टर ने बिना जांच किए ही लिख दिया कि कोई चोट नहीं आई है। पीड़ित ने एसपी ऑफिस जाकर दुबारा एमएलसी कराने की मांग की, जिस पर टीआई को निर्देश भी दिए गए, लेकिन इसके बावजूद एमएलसी नहीं कराई गई। राहुल बारस्कर ने मांग की है कि हमलावरों पर सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए।

प्रथम आगमन पर भाजपा जिला अध्यक्ष का किया सम्मान

बैतूल, देशबन्धु। भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार का चिरापाटला में प्रथम आगमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र यादव के नेतृत्व में मंडल पदाधिकारी एवं बुथ अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने श्री पवार का भव्य स्वागत किया। इस दौरान श्री पवार ने कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि पार्टी को मजबूत बनाने में प्रत्येक कार्यकर्ता का अहम योगदान है। पवार ने कहा कि संगठन ने जो मुझ पर विश्वास जताया है, मैं उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सावित्री शिवराज, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शक्ति गणपत सिंह धुर्वे,सरपंच रामपाल भलावी, पूर्व अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रमोद आर्य, पिंटू कहार, रामचरण यादव, रामविलास धुर्वे, कमल धुर्वे, मंगल पटेल, राजकुमार वंशकार, चंपालाल सेलुकर, राजेश यादव, बलदेव यादव, रामा यादव, शैलेन्द्र कहार, गणेश सेलुकर, रामगोपाल कलम, भूरा यादव, चिंटू भलावी, दिलीप उईके उपस्थित थे।

छात्रावास अधीक्षिका की मनमानी से परेशान आदिवासी छात्राएं

● कलेक्टर से की शिकायत ● 15 से 20 छात्राओं को पिछले छह महीनों से छात्रावास में नहीं रहने दिया जा रहा

बैतूल, देशबन्धु। चिचोली स्थित सीनियर आदिवासी कन्या छात्रावास में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। छात्रावास में रहने वाली 50 आदिवासी छात्राओं में से 15 से 20 छात्राओं को पिछले छह महीनों से छात्रावास में नहीं रहने दिया जा रहा है। मजबूरी में वे अपने घर से रोज स्कूल आने-जाने को मजबूर हैं। छात्रावास जनजातीय कार्य विभाग की निगरानी में संचालित होता है, लेकिन अधीक्षिका की मनमानी और लापरवाही से वहां की व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। नियमों के अनुसार अधीक्षिका को छात्रावास परिसर में रहना अनिवार्य है, लेकिन वह नियमों को ताक पर रखकर बैतूल से अप-डाउन कर रही है। आरोप है कि अधीक्षिका ने छात्रावास में अटैच महिला कर्मचारी को चिचोली के एक धनाढ्य व्यक्ति काली सेठ के घर घरेलू काम के लिए सुबह-शाम भेजा जाने जैसी लापरवाही शामिल है। इस पूरे मामले की शिकायत भारत आदिवासी पार्टी के नर्मदापुरम संभागीय अध्यक्ष हेमंत सरियाम ने कलेक्टर बैतूल से की है। उन्होंने अधीक्षिका को तत्काल हटाने और विभागीय जांच कराने की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस शिकायत की प्रतिलिपि राज्यपाल, जनजातीय कार्य मंत्रालय भोपाल और राष्ट्रीय जनजातीय आयोग भोपाल को भी भेजी गई है।

51 साल बाद फिर मिले स्कूल के सहपाठी, यादों की महफिल सजी

बैतूल, देशबन्धु। आठनेर के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल से 1973-74 बैच के पास आउट विद्यार्थियों का मिलन समारोह आठनेर में ऐतिहासिक अंदाज में आयोजित हुआ। पूरे 51 साल बाद जब सहपाठी मिले, तो यादों का सैलाब उमड़ पड़ा। खास बात यह रही कि यह आयोजन गुरुजनों के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसमें सभी ने अपने छात्र जीवन की यादों को साझा किया और जीवन के अनुभवों पर चर्चा की।

गुरुजनों में पीके जैन, एसआर पुण्डे, विकास सर, डॉ. गायकी और गुरु माता की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और विशेष बना दिया। कार्यक्रम के आयोजक नारायण राव धोटे, प्रभाकर एवं सुरेश ढोमने रहे, जिन्होंने इस अनूठे आयोजन की रूपरेखा तैयार की। इस मिलन समारोह में स्थानीय सहपाठियों का विशेष सहयोग रहा, जिनमें पीके खंडागरे, श्यामराव माकोड़े, जगताप, सुरेश ढोमने, अशोक जायसवाल, मारुति बारस्कर, एसआर झरबडे, देवराव अडलक, वासुदेव हरने, नारायण धोटे, श्रीराम धोटे, प्रदीप जायसवाल, रामदयाल जीतपूरे, सुरेश खंडागरे, भोजराव पंडाग्रे, अनिल जायसवाल, लोखंडे, रामा भाई सहित कई अन्य सहपाठी अपने परिवार के साथ इस मिलन समारोह का हिस्सा बने। भोपाल, रायपुर, देवास, इंदौर, बैतूल, मुलताई, जबलपुर, नागपुर और पुणे से विशेष रूप से सहपाठी इस कार्यक्रम में शामिल होने आए। सभी ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया और बीते 51 वर्षों में अपने जीवन की उपलब्धियों को साझा किया। किसी ने सरकारी सेवा में योगदान दिया, तो कोई व्यवसाय जगत में सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचा। आयोजन के दौरान कई भावुक क्षण आए, जब सहपाठियों ने अपने पुराने दिनों को याद कर भावुक हो गए।

पुराने एचएमटी ग्राउंड में चलाया स्वच्छता अभियान, कचरे को किया एकत्रित

बैतूल, देशबन्धु। ग्रीन आर्मी युवा मंडल बैतूल बाजार ने पर्यावरण संरक्षण के तहत इटारसी रोड स्थित पुराने एचएमटी ग्राउंड में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान मंडल के सदस्यों ने यहां फैली गंदगी, शराब की बोतलों को इकट्ठा किया।

संगठन के अध्यक्ष गजेन्द्र पवार ने बताया कि इस क्षेत्र में शराब दुकान के कारण ग्राउंड में लगातार गंदगी फैली रहती है। लोग शराब की खाली बोतलें, डिस्पोजल और कचरा मैदान में फेंक देते हैं, जिससे यहां गंदगी का अम्बार बना रहता है। उन्होंने बताया कि इस जगह पर प्राचीन शिव मंदिर भी स्थित है, जहां श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर के आसपास और ग्राउंड में स्वच्छता अभियान चलाकर टीम के सदस्यों ने स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान ग्रीन आर्मी युवा मंडल ने जिला प्रशासन को इस ओर ध्यान देकर क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि संगठन का उद्देश्य सिर्फ सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक करना भी है। अगर हम सब मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं, तो हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर बन सकता है।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.58 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.64 प्रतिशत
मारुति	0.25 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.24 प्रतिशत
आईटीसी	0.21 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

जोमैटो	3.32 प्रतिशत
एचसीएल टेक	3.32 प्रतिशत
टीसीएस	2.93 प्रतिशत
इंफोसिस	2.81 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.29 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	87,933
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,03,500
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	86.96	87.00
पौंड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	8900-9000
मूंग दाल	9300-9300
अरहर दाल	7650-7750

भारतीय टेक इंडस्ट्री वर्ष 2026 में 300 बिलियन डॉलर का राजस्व करेगी प्राप्त

- चालू वित्त वर्ष में इंडस्ट्री कम से कम 1 लाख 26 हजार नए कर्मचारियों को भर्ती करेगी
- भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था ने लगातार दूसरे वर्ष निर्यात वृद्धि को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। नैसकॉम की सोमवार को जारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री वित्त वर्ष 2026 में 300 बिलियन डॉलर का राजस्व प्राप्त कर सकती है। साथ ही कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष (अनुमानित) में इंडस्ट्री कम से कम 1,26,000 नए कर्मचारियों को भर्ती करेगी, जिससे कुल कार्यबल 5.8 मिलियन हो जाएगा। वैश्विक आर्थिक पैटर्न और बाजार की गतिशीलता में बदलाव के बीच, चालू वित्त वर्ष रणनीतिक लचीलेपन का वर्ष रहा है, जिसमें इंजीनियरिंग आरएंडडी और जीसीसी जैसे क्षेत्रों ने भारत में टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री के विकास को गति दी है। आईटी इंडस्ट्री के शीर्ष निकाय द्वारा 'वार्षिक रणनीतिक समीक्षा 2025' के अनुसार, 5.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि करते हुए, टेक इंडस्ट्री ने 13.8 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त राजस्व जोड़ा, जिससे वित्त वर्ष 2025 (अनुमानित) में कुल इंडस्ट्री राजस्व (हार्डवेयर सहित) 282.6 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया।

घरेलू तकनीकी खर्च में निरंतर वृद्धि से प्रेरित भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था ने लगातार दूसरे वर्ष निर्यात वृद्धि को पीछे छोड़ दिया, जिसमें घरेलू तकनीकी राजस्व ने वित्त वर्ष 24 से 7 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की। रिपोर्ट में बताया गया है कि डेटा सेंटर क्षमता में 21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ-साथ एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर और क्लाउड सॉल्यूशन को अपनाने में वृद्धि ने इस गति को और आगे बढ़ाया है, जिससे निवेश में वृद्धि हुई है।

नैसकॉम की अध्यक्ष सिंधु गंगाधरन ने कहा, उन्नत एआई कार्यान्वयन, एजेन्टिक एआई का उदय व्यवसाय मॉडल को बाधित कर रहा है और मूल्य और परिवर्तन के लिए हब के रूप में जीसीसी की बढ़ती परिपक्वता उद्योग में बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे तकनीक वैश्विक भू-राजनीति और व्यापार गतिशीलता के साथ गहराई से जुड़ती जा रही है, उद्यमों को कार्यबल के भीतर तकनीकी कौशल परिवर्तन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा के लिए 33 लाख करोड़ की जरूरत : नागराजू

मुंबई। सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध और वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस क्षेत्र के लिए 33 लाख करोड़ रुपए की जरूरत होगी। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने अक्षय ऊर्जा के लिए वित्त जुटाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला में यह बात कही। उन्होंने कहा कि 2030 तक भारत के 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 33 लाख करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने 10 लाख करोड़ रुपए के लिए प्रतिबद्धता जतायी है जो आवश्यक निवेश का एक तिहाई हिस्सा है, जबकि शेष राशि निजी निवेशकों से आएगी। अक्षय ऊर्जा इक्विटी अपनी संधारणीय और भविष्य के लिए तैयार प्रकृति के कारण निवेशकों को आकर्षित करना जारी रखती है।

महंगाई के मोर्चे पर ग्रामीण भारत को राहत

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ग्रामीण भारत के लिए महंगाई के मोर्चे पर राहत भरी खबर है। जनवरी 2025 में कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए खुदरा महंगाई दर में कमी आई है।

श्रम मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि ऑल-इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर एग्रीकल्चर लेबरर्स (सीपीआई-एएल) और रूरल वर्कर्स के लिए सूचकांक (सीपीआई-आरएल) में महंगाई दर जनवरी में गिरकर क्रमशः 4.61 प्रतिशत और 4.73 प्रतिशत रह गई है। पिछले साल समान अवधि में यह क्रमशः 7.52 प्रतिशत और 7.37 प्रतिशत थी। कीमतों में कमी के कारण कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए महंगाई दर में कमी देखने को मिली है।

दिसंबर 2024 में कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए महंगाई दर क्रमशः 5.01 प्रतिशत और 5.05 प्रतिशत थी।

कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए महंगाई पिछले पांच महीनों से लगातार घट रही है। यह इन कमजोर वर्गों के लिए एक बड़ी राहत है, जो बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इससे उनके हाथ में अधिक पैसा बचता है, जिसे वह बेहतर जीवनशैली पर खर्च कर सकते हैं।

- कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए मुद्रास्फीति कम हुई
- महंगाई का लगातार कम होना अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत

कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए महंगाई दर में गिरावट ऐसे समय पर हुई है, जब समग्र खुदरा महंगाई जनवरी 2025 में पांच महीने के निचले स्तर 4.31 प्रतिशत पर पहुंच गई है। महंगाई का लगातार कम होना अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत हैं। इससे देश की आर्थिक वृद्धि दर को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

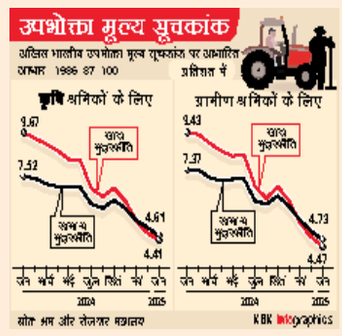

रेपो रेट में कटौती से विकास दर को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व की ओर से आने वाले समय में विकास दर को बढ़ाने के लिए रेपो रेट में 25-50 आधार अंक तक की कटौती की जा सकती है। इसके अलावा लिक्विडिटी को बढ़ाने के लिए कई उपाय भी लागू किए जा सकते हैं। यह जानकारी सोमवार को एक रिपोर्ट में दी गई।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति बैठक (एमपीसी) के दौरान रेपो रेट में कटौती चक्र की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक थी और एमपीसी मिनट्स से पता चलता है कि सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदस्यों के विचारों में व्यापक समानता कैसी

थी। रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई कि केंद्रीय बैंक द्वारा आने वाले समय में रेपो रेट को 25-50 आधार अंक घटाकर 5.7 प्रतिशत किया जा सकता है।

फरवरी की बैठक के मिनट्स में सदस्यों के विचारों में समानता दिखाई दी और सभी ने विकास को समर्थन देने के लिए रेपो रेट को कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि हम नियामक उपायों में ढील की संभावना के साथ-साथ एक बड़े रेट कट की उम्मीद करते हैं।

वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में कंपनियों की वृद्धि दर 7-8 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ग्रामीण मांग में सुधार और सरकारी खर्च में तेजी के कारण भारतीय कंपनियों को चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही (वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही) में 7-8 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि की उम्मीद है। यह जानकारी सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।

आईसीआरए की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली तिमाही में भारतीय कंपनियों के परिचालन लाभ मार्जिन (ओपीएम) में सुधार 18.2-18.4 प्रतिशत पर बरकरार रहने की संभावना है। इसे मांग में वृद्धि और उपभोक्ता भावनाओं में सुधार से मदद मिलेगी। हालांकि, इसमें कहा गया है कि उभरती वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर व्यापार शुल्कों जैसी चुनौतियों

- आरबीआई द्वारा मौद्रिक छूट व खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी की उम्मीदों से मिलेगी मदद

से विकास के स्तर पर असर पड़ सकता है।

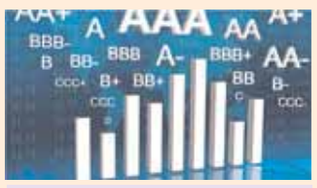

हाल ही में रेपो दर में कटौती के कारण ब्याज लागत में कमी के साथ, इससे भारतीय कंपनियों के लिए ब्याज कवरेज अनुपात में मामूली वृद्धि होगी, जो कि वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 4.6-4.7 गुना हो जाएगा, जबकि वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में यह 4.5 गुना था।

आईसीआरए लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सह-समूह प्रमुख-कॉर्पोरेट रेटिंग किंजल शाह ने कहा कि अधिकांश खरीफ फसलों के लिए मजबूत उत्पादन और चालू रबी सीजन के लिए अनुकूल दृष्टिकोण से सहायता प्राप्त, वर्ष 2025 की पहली छमाही में ग्रामीण मांग में तेजी आने की उम्मीद है। इसके अलावा, कृषि परिणामों का समर्थन करने के लिए 2025 में एक सामान्य और अच्छा मानसून जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा कि पिछली कुछ तिमाहियों में सुस्ती के बाद, शहरी मांग में सुधार की उम्मीद है, जिसे केंद्रीय बजट 2025 में आयकर में बड़ी राहत, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक छूट और खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी की उम्मीदों से मदद मिलेगी।

सार संक्षेप

ग्लोबल ब्रोकरेज ने भारत की ईवी नीति को सराहा

नई दिल्ली। ग्लोबल ब्रोकरेज और फाइनेंशियल सर्विस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों ने भारत की विकसित हो रही इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति की सराहना की है। इससे टेस्ला जैसी कंपनियों को देश में सहज तरीके से प्रवेश करने में मदद मिलेगी। नोमुरा के अनुसार भारत की ईवी नीति इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की प्रक्रिया को तेज करेगी, जिससे टेस्ला और दूसरे ग्लोबल वाहन निर्माताओं के लिए निवेश करना आसान हो जाएगा। नीतिगत बदलाव से भारत के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार होने की भी उम्मीद है, जिससे प्रमुख सप्लायर्स को लाभ होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, कारों में ईवी पेनिट्रेशन, जो पिछले दो वर्षों में लगभग 2 प्रतिशत रही है, वित्त वर्ष 2027 तक इसके 5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 30 तक 9 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है।

कपड़ा क्षेत्र के लक्ष्य प्राप्त करने में बैंकों की अहम भूमिका

मुंबई। कपड़ा आयुक्त रूप राशि ने कहा कि बैंकों को कपड़ा क्षेत्र की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए, जो 5.4 करोड़ नौकरियों को सपोर्ट करता है और जिसका मार्केट साइज 2030 तक 172 बिलियन डॉलर से बढ़कर 350 बिलियन डॉलर होने का लक्ष्य है। रूप राशि ने कहा कि हम 2030 से पहले इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन इस क्षेत्र को उत्पाद मानकीकरण, क्षमता निर्माण, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग और निर्यात के लिए बैंक फंडिंग की जरूरत है। सरकारी अधिकारी ने डब्ल्यूटीसी मुंबई और यस बैंक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'एक्सपोर्ट कॉन्क्लेव' के दौरान कहा, कताई से बुनाई तक कपड़ा वैल्यू चेन एक कैपिटल इंटेंसिव सेक्टर है, जिसे बैंक फंडिंग की जरूरत है। जबकि, बैंक बिग टिकट लोन और प्रोजेक्ट फाइनेंस को प्राथमिकता देते हैं, मुझे उम्मीद है कि वे कपड़ा इकाइयों की फंडिंग जरूरतों को भी समान महत्व देंगे। यह वास्तव में फाइनेंशियल इनक्लूसन को बढ़ावा देगा क्योंकि 70 प्रतिशत हथकरघा यूनिट महिलाओं द्वारा संचालित की जाती हैं।

जनवरी में म्यूचुअल फंड्स ने बेहतर प्रदर्शन किया : रिपोर्ट

मुंबई। भारत में जनवरी में 26 प्रतिशत से अधिक म्यूचुअल फंड्स ने अपने बेंचमार्क से अच्छा प्रदर्शन किया है, यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में 291 ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड का एनालिसिस किया गया है और पाया गया है कि जनवरी में 76 इक्विटी म्यूचुअल फंड अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन करने में कामयाब रहे हैं। पीएल (प्रभुदास लीलाधर) वेल्थ मैनेजमेंट की रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स (सेक्टोरल/थीमैटिक फंड्स को हटाकर) का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 24,85,844 करोड़ रुपए रहा है। हालांकि, दिसंबर 2024 के मुकाबले एयूएम में 3.83 प्रतिशत की गिरावट हुई है। जब यह 25,84,851 करोड़ रुपए पर पहुंच गया था।

चौतरफा भारी बिकवाली से बाजार में कोहराम

मुंबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। कमजोर उपभोक्ता मांग और अमेरिका के टैरिफ खतरे से चिंतित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा भारी बिकवाली से आज शेयर बाजार में कोहराम मच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 856.65 अंक अर्थात 1.14 प्रतिशत का गोता लगाकर साढ़े नौ माह के निचले स्तर और 75 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 74,454.41 अंक पर आ गया। इससे पहले यह 05 जून 2024 को 74,382.24 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 247.05 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की गिरावट लेकर 22,548.85 अंक पर बंद हुआ। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 0.78 प्रतिशत कमजोर रहकर 40,057.85 अंक और स्मॉलकैप 1.31 प्रतिशत लुढ़ककर 45,254.06 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4200 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2810 में बिकवाली जबकि 1207 में लिवाली हुई वहीं 183 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 38 कंपनियां लाल जबकि अन्य 12 हरे निशान पर बंद हुईं।

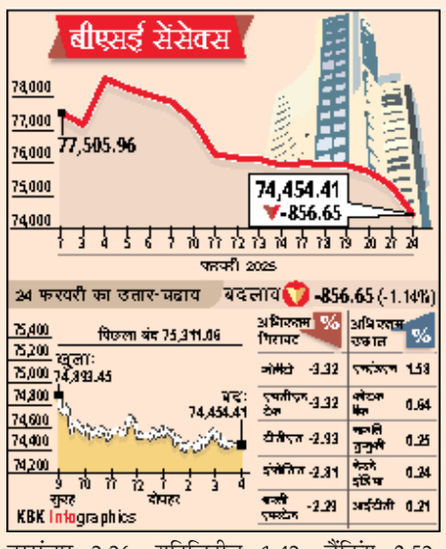

बीएसई में एफएमसीजी और ऑटो समूह की 0.22 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर अन्य 19 समूहों में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 1.53, सीडी 0.71, ऊर्जा 1.11, वित्तीय सेवाएं 0.82, हेल्थकेयर 0.47, इंडस्ट्रियल्स 1.08, आईटी 2.60,

दूरसंचार 2.26, यूटिलिटीज 1.42, बैंकिंग 0.52, कैपिटल गुड्स 1.10, धातु 2.16, तेल एवं गैस 1.10, पावर 1.16, रियल्टी 0.91, टेक 2.56, सर्विसेज 0.60 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 2.65 प्रतिशत लुढ़क गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.32, जर्मनी का डैक्स 0.92 और जापान का निक्केई 0.26 प्रतिशत चढ़ गया जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.58 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.18 प्रतिशत टूट गया।

- सेंसेक्स 1.14 प्रतिशत का गोता लगाकर 74,454.41 अंक पर
- निफ्टी 1.08 प्रतिशत की गिरावट लेकर 22,548.85 अंक पर बंद

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 418 अंक का गोता लगाकर 74,893.45 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 74,907.04 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। वहीं, इसके बाद हुई लगातार बिकवाली से दोपहर बाद 74,387.44 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 75,311.06 अंक के मुकाबले 1.14 प्रतिशत की गिरावट लेकर 74,454.41 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली प्रमुख कंपनियों में जामैटो 3.32, एचसीएल टेक 3.32, टीसीएस 2.93, इंफोसिस 2.81, भारती एयरटेल 2.29, टेक महिंद्रा 2.19, टाटा स्टील 2.10, एनटीपीसी 1.79, एलटी 1.74, इंडसइंड बैंक 1.30, अडानी पोर्ट्स 1.14, रिलायंस 1.05, आईसीआईसीआई बैंक 1.00, पावरग्रिड 0.99, एचडीएफसी बैंक 0.93, बजाज फिनसर्व 0.91, एसबीआई 0.71, टाटा मोटर्स 0.70 और सन फार्मा 0.28 प्रतिशत शामिल रहीं।

वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.58, कोटक बैंक 0.64, मारुति 0.25, नेस्ले इंडिया 0.24, आईटीसी 0.21, एक्सिस बैंक 0.15 और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों ने 0.03 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

45 प्रतिशत से अधिक भारतीय युवा शेयरों को दे रहे प्राथमिकता : रिपोर्ट

बेंगलुरु, 24 फरवरी (एजेंसियां)। निवेश के लिए 35 वर्ष के कम के 45 प्रतिशत युवा भारतीय शेयरों को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, शेयरों की ओर से लोगों का झुकाव बढ़ने की वजह वित्तीय जागरूकता और टेक्नोलॉजी के कारण अच्छे निवेश विकल्प उपलब्ध होना एवं लंबी अवधि में वैल्थ क्रिएशन का लक्ष्य है। रिसर्च फर्म 1लैटिस के साथ साझेदारी में स्टॉकग्रो की ओर से जारी की गई इन्वेस्टर बिहेवियर इंडेक्स (आईबीआई 2025) रिपोर्ट के अनुसार, 81 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि वे शेयर बाजार में निवेश कर चुके हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि अधिक युवा पारंपरिक बचत साधनों से दूर जा रहे हैं और प्रत्यक्ष इक्विटी निवेश को अपना रहे हैं। 1लैटिस के सीईओ अमर चौधरी ने कहा कि इक्विटी निवेश को वास्तव में एक वैल्थ क्रिएशन और पैसिव इनकम जनरेट करने के उपकरण के रूप में पहचाना जा रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया कि बढ़े हुए उत्साह के बावजूद वित्तीय शिक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 42 प्रतिशत गैर-निवेशकों को लगता है कि उनके पास निवेश शुरू करने के लिए आवश्यक ज्ञान की कमी है, जबकि 44 प्रतिशत इच्छुक निवेशक स्टेप-बाय-स्टेप मार्गदर्शन चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, 38 प्रतिशत उत्तरदाता ऑनलाइन वीडियो कोर्स के माध्यम से सीखना पसंद कर रहे हैं। स्टॉकग्रो के संस्थापक और सीईओ अजय लाखोटिया के अनुसार युवा निवेशक इक्विटी और एजुकेशन फर्स्ट-डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर बदलाव के लीड कर रहे हैं। इसके कारण वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता पहले कभी इतनी नहीं रही है।

अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी, दालों में मिलाजुला रुख व अन्य जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में गिरावट रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी रही जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 99 रिंगिट लुढ़ककर 4737 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.21 सेंट की गिरावट के साथ 47.13 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में तेजी रही। सूरजमुखी तेल 219 रुपये, सोया रिफाइंड 294 रुपये और पाम ऑयल 366 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। चना 50 रुपए, दाल चना 50 रुपए और मूंग दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हो गई जबकि अरहर दाल में 100 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, मसूर दाल और उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5950-6050, दाल चना 6950-7050, मसूर काली 7350-7450, मूंग दाल 9300-9400, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 7850-7950 रुपए प्रति क्विंटल रहे। **अनाज :** (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपए और **चावल :** 3150-3250 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

एसबीआई ने शताब्दी वर्ष के लिए नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य किया निर्धारित

मुंबई, 24 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने शताब्दी वर्ष 2055 तक उत्सर्जन में नेट जीरो होने का लक्ष्य रखा है। एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने हाल ही में यह जानकारी दी।

सेट्टी ने यह घोषणा 'एसबीआई ग्रीन मैराथन सीजन 5' कार्यक्रम में की, जिसे उन्होंने 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी कैटेगरी में भाग लेने वाले 10,000 से ज्यादा रनर्स-कम ग्रीन इंडिया एम्बेसडर के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

2018 में अपनी स्थापना के बाद से, एसबीआई ग्रीन मैराथन भारत के 'मिशन लाइफ : पर्यावरण के लिए जीवन शैली' के प्रति बैंक के ठोस समर्पण का प्रतीक बन गया है। यह बैंक की एक स्थायी भविष्य के लिए इसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दिखाता है। इस रोमांचक कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अलग-अलग दौड़ की

कैटेगरी में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को 21 किमी की दौड़ में 15 हजार रुपए, 10 हजार रुपए और 7 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। इसी तरह 10 किमी की दौड़ में 10 हजार रुपए, 7,000 रुपए और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया।

एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस द्वारा मैराथन के प्रमाणन ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया, जिससे उन्हें मैराथन समुदाय के भीतर वैश्विक मान्यता मिली। सभी प्रतिभागियों को और अधिक प्रेरित करने के लिए, इस कार्यक्रम

- संपत्ति, जमा, शाखाओं, ग्राहकों व कर्मचारियों के मामले में देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है एसबीआई

में दिग्गज धावक विनोद कुमार शर्मा, बरुन कुमार, विशाक कृष्णस्वामी, आशीष आर्य मौजूद थे। इसके अलावा, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की भागीदारी इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण थी। मुंबई और जयपुर के बाद, एसबीआई ग्रीन मैराथन 2 मार्च को भोपाल और 9 मार्च, 2025 को दिल्ली में समाप्त होगी।

12 शहरों में अपने सीजन 5 की यात्रा के हिस्से के रूप में, एसबीआई ग्रीन मैराथन पहले ही विशाखापत्तनम, लखनऊ, चंडीगढ़, अहमदाबाद, पुणे, गुवाहाटी, भुवनेश्वर और पटना में आयोजित की जा चुकी है। एसबीआई संपत्ति, जमा, शाखाओं, ग्राहकों और कर्मचारियों के मामले में देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।